06 जून 2025
शुक्रवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

मुजफ्फरपुर में नाबालिग से रेप के आरोपी के घर पर चला बुलडोजर 5



# नदी पार करने के दौरान डूबीं 4 बच्चियां, 2 की मौत

## बांका में दर्दनाक घटना

**केटी न्यूज/पटना**

बांका जिले के अमरपुर थाना क्षेत्र में जेष्टगौरनाथ मंदिर के समीप चांदन नदी पार करने के दौरान चार बच्चियां पानी में डूब गयीं। इसमें दो बच्ची की मौत मौके पर ही हो गयी। जबकि दो बच्ची का इलाज स्थानीय रेफरल अस्पताल में किया जा रहा है। घटना गुरुवार दोपहर की है। मृतक बच्ची रजौन थाना क्षेत्र के सिकानपुर गांव निवासी रूपेश यादव की 11 वर्षीय पुत्री निशा कुमारी व बाराहाट थाना क्षेत्र के लौनी गांव निवासी उदय यादव की 9 वर्षीय पुत्री राखी कुमारी बतायी जा रही है। वहीं सिकानुपर गांव के सुभाष यादव की 12 वर्षीय पुत्री काजल कुमारी और पांडव यादव की 10 वर्षीय पुत्री अनिशा कुमारी इलाजरत हैं।

जानकारी के अनुसार उक्त चारों बच्चियों सिकानपुर गांव से एक साथ जेष्ठगौरनाथ मंदिर परिसर में चल रहे श्रीश्री 108 शिव शक्ति महायज्ञ देखने आ रही थी। इसी बीच चांदन नदी पार करने के क्रम में चारों बच्ची गहरे पानी में चली गयीं और पानी में डूबने लगी। पानी में बच्चियों को डूबता देख नदी किनारे मौजूद चरवाहों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर वहां मौजूद कुछ युवकों ने नदी में छलांग लगा दी। काफी मशक्कत के बाद चारों को नदी से बाहर निकाला। लेकिन तब तक राखी और निशा की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना अस्पताल एवं थाना को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस व अमरपुर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और चारों बच्चियों को एंबुलेंस से अमरपुर रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां डॉ पंकज कुमार ने जांच के बाद राखी और निशा को मृत घोषित कर दिया। जबकि काजल व अनिशा का इलाज जारी है। मृतका राखी सिकानपुर गांव में अपने नाना छबील यादव के घर में रहकर पढ़ाई करती थी। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ गयी।

शव को देख परिजनों के चीख व पुकार से पूरा अस्पताल गमगीन हो गया। मौजूद लोगों की भी आंखें नम थी। मृतका राखी की मां सुरत देवी व निशा की मां सीता देवी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने दोनों बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बांका भेज दिया है।

# रीवा में ऑटो पर पलटा ट्रक, छह लोगों की मौत

## सभी मृतक एक ही परिवार के

**एजेंसी/रीवा**

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। सोहागी पहाड़ के पास चलते ऑटो पर सीमेंट की शीट से लदा ट्रक पलट गया। हादसे में ऑटो सवार 4 यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि हादसे में घायल अन्य दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय और एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ऑटो सवार सभी यात्री प्रयागराज से गंगा स्नान करके मऊगंज लौट रहे थे। इसी दौरान रीवा की ओर जा रहे सीमेंट की शीट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया। दरअसल, मऊगंज जिले के नइगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी एक ही परिवार के लोग ऑटो में सवार होकर गंगा स्नान के लिए प्रयागराज गए हुए थे। गंगा स्नान के बाद गुरुवार की दोपहर करीबन 1 बजे सभी लोग वापस ऑटो में सवार होकर मऊगंज के लिए निकले थे। ऑटो जैसे ही सोहागी पहाड़ के पास पहुंचा, उसी दौरान सीमेंट की शीट से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटो के ऊपर पलट गया।

दर्दनाक हादसे में ऑटो सवार 4 यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को पुलिस तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां 2 लोगों ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में दम तोड़ दिया। जबकि एक यात्री की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। जबकि तीन लोग घायल हैं। मृतकों में 38 वर्षीय हीरालाल जयसवाल, 35 वर्षीय पिंकी जयसवाल, 8 वर्षीय अंविका जयसवाल, 7 वर्षीय मानवी जयसवाल, 6 वर्षीय अरविन्द जयसवाल, 12 वर्षीय सौरभ जयसवाल है। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं।

**नासिक में छह लोगों की मौत:** महाराष्ट्र के नासिक में हुए एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में मरने वाले दो बच्चे भी हैं। दरअसल तेज रफ्तार कार सड़क किनारे स्थित एक घर से टकरा गई, जिसमें लोगों की जान चली गई। सड़क हादसा बुधवार रात करीब 10 बजे कोल्हापुर फाटा की कलवान तालुका में हुआ। पुलिस ने बताया कि सतना के नामपुर का रहने वाला एक परिवार नासिक में अपने रिश्तेदारों के यहां शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहा था। रास्ते में ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार कार एक घर से टकरा गई।

## खबरें फटाफट

### सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से रचाई शादी

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने खुद से 15 साल बड़े बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक कृष्णानगर से दो बार की लोकसभा सांसद ने ओडिशा के पुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी की है। सोशल मीडिया पर वायरल एक तस्वीर में महुआ मोइत्रा पारंपरिक पोशाक और सोने के आभूषणों से सजी हुई दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ने 3 मई को विदेश में शादी की। 12 अक्तूबर, 1974 को असम में जन्मी महुआ मोइत्रा ने एक निवेश बैंकर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। बाद में 2010 में वे टीएमसी में शामिल हो गईं। उन्होंने 2019 में कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतीं। महुआ 2024 में फिर से चुनी गईं। वहीं पिनाकी मिश्रा का जन्म 23 अक्तूबर, 1959 को ओडिशा के पुरी में हुआ था। वह एक अनुभवी राजनीतिज्ञ और वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज से बीए (ऑनर्स) और डीयू के विधि संकाय से एलएलबी की डिग्री भी प्राप्त की है। पिनाकी ने 1996 में पुरी लोकसभा सीट जीतकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक करियर शुरू किया। बाद में वे नवीन पटनायक की बीजू जनता दल में शामिल हो गए और 2009, 2014 और 2019 में जीत हासिल की।

### हनुमान नगर इलाके में रहने वाले पीएमसीएच के रिटायर्ड डॉक्टर के साथ ठगी

# पटना में रिटायर्ड डॉक्टर दंपति को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर दो करोड़ की ठगी

## साइबर क्राइम

- साइबर अपराधियों ने नकली सीबीआई ऑफिसर, जज और वकील बनकर बड़ी ठगी की घटना को दिया अंजाम
- डॉक्टर दंपति ने इस पूरी घटना को लेकर लिखित आवेदन साइबर थाना पुलिस को दिया है

**केटी न्यूज/पटना**

डिजिटल अरेस्ट को लेकर आए दिन घटनाएं सुनने को मिल रही हैं। पुलिस हर स्तर पर अपनी कार्रवाई भी कर रही है। इसके बावजूद ठग नया तरीका अपनाकर लोगों को अपनी जाल में फंसाकर उनकी गाढ़ी कमाई को लूट रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट से जुड़ा ऐसा ही एक मामला बिहार की राजधानी पटना से सामने आया है। यहां ठगों ने एक रिटायर्ड डॉक्टर दंपति को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। साथ ही डॉक्टर दंपति से एक करोड़ 95 लाख रुपए की ठगी भी कर ली। राजधानी पटना में घटी इस घटना के बाद से साइबर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पटना के हनुमान नगर इलाके में रहने वाले पीएमसीएच के रिटायर्ड डॉक्टर दंपति को 12 दिनों तक घर में ही डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ 95 लाख रुपए की ठगी की घटना को अंजाम दिया गया। साइबर अपराधियों ने नकली सीबीआई ऑफिसर, जज और वकील बनकर बड़ी ठगी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि डॉक्टर दंपति ने इस पूरी घटना को लेकर लिखित आवेदन साइबर थाना पुलिस को दिया है।

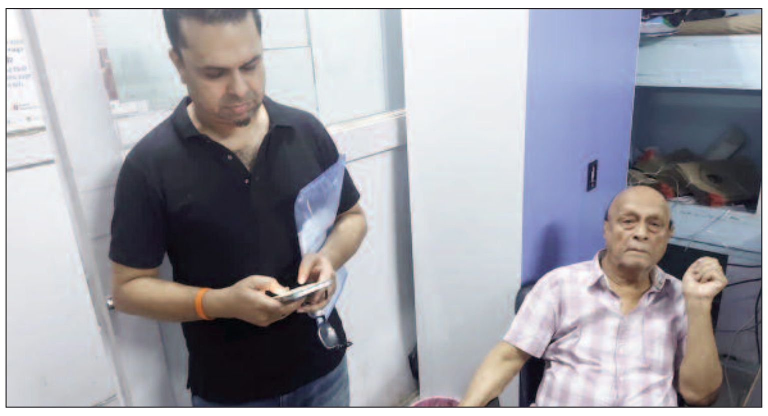

### मनी लॉन्ड्रिंग का केस होने की बात कह साइबर अपराधियों ने फंसाया

डिजिटल अरेस्ट के शिकार बने डॉक्टर राधे मोहन प्रसाद के बेटे डॉक्टर सौरभ ने बताया कि पिछले 21 मई को उनके पिता डॉक्टर राधे मोहन प्रसाद के पास मुंबई से एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। उसने कहा कि मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है। इस केस के सिलसिले में मुंबई आना होगा, जिसके बाद मेरे पिताजी ने उनसे कहा कि अचानक से इतनी जल्दी मैं कैसे आ सकता हूं। इसके बाद कॉल करने वाले ने उनके पिता को कोलाबा पुलिस स्टेशन का नंबर दिया। इसके बाद पापा ने उनसे बात की, जिसमें उनको बताया गया कि डॉक्टर राधा मोहन प्रसाद और छवि प्रसाद के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है। डॉक्टर सौरभ ने बताया कि उन लोगों ने वीडियो कॉल भी किया, जिसमें पुलिस ड्रेस में लोग भी मौजूद थे। बेटे का कहना था कि पापा, मम्मी को गिरफ्तारी का डर दिखाकर पूरी तरह से साइबर अपराधियों ने अपनी बातों में ले लिया। उनका कहना था कि आपके नंबर से धोखाधड़ी हुई है। आप पर आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। आप मोस्ट वांटेड हैं। आप रुपए नहीं भेजेंगे तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साइबर अपराधियों ने दंपति को इस कदर डराया और धमकाया कि उन्होंने खुद बैंक जाकर पैसे ट्रांसफर किए। उन्होंने छह बार में आरटीजीएस के जरिए एक करोड़ 95 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए।

**साइबर पुलिस कर रही मामले की जांच:** हालांकि पैसे ट्रांसफर हो जाने के बाद दंपति को यह महसूस हुआ कि उनके साथ धोखाधडी की गई है। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की लिखित जानकारी साइबर थाने को दी, जिसके बाद साइबर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। इस मामले की जानकारी देते हुए साइबर थाने के डीएसपी राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। इसके बाद पीड़ित के 53 लाख रुपए को होल्ड करवा दिया गया है। एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि पिछले दिनों कदमकुंआ थाना क्षेत्र में रहने वाली पटना यूनिवर्सिटी की रिटायर्ड प्रोफेसर से साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट करके लगभग 3 करोड़ की ठगी की थी। यह मामला एक बार फिर साइबर ठगी के बढ़ते खतरे को उजागर करता है। लगातार मामला सामने आने के बाद भी लोग इससे सीख नहीं ले रहे।

### डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं, यह धोखाधड़ी है

डिजिटल अरेस्ट वास्तव में किसी प्रकार की गिरफ्तारी नहीं होती है और न ही किसी कानूनी प्रक्रिया में इसे कोई मान्यता प्राप्त है। कभी भी कोई आपको डिजिटल अरेस्ट का प्रयास करे तो घबराएं नहीं। तुरंत पुलिस को शिकायत करें। यह बात जान लें कि डिजिटल अरेस्ट एक धोखाधड़ी है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि अगर कोई अज्ञात व्यक्ति खुद को पुलिस या बैंक अधिकारी बताकर पैसे मांगे, तो तुरंत नजदीकी थाने में सूचना दें। किसी भी अज्ञात कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें और न ही अपने बैंक डिटेल्स किसी के साथ साझा करें। वहीं इसकी सूचना 1930 पर दें।

# छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में एक करोड़ रु. का इनामी नक्सली सुधाकर ढेर

## बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में कार्रवाई

**एजेंसी/रायपुर**

छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में फोर्स और नक्सलियों के बीच गुरुवार को हुई मुठभेड़ में करीब एक करोड़ रुपये के इनामी खूंखार नक्सली नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधाकर को जवानों ने ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सुधाकर नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी (सीसी) का मेंबर था। उस पर अलग-अलग राज्यों में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी और गुरुवार वो फोर्स के हत्थे चढ़ गया और नक्सली मुठभेड़ में मारा गया। घटनास्थल से एक अत्याधुनिक ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद किया गया है, जो सुधाकर के खतरनाक और उच्च रैंकिंग नक्सली होने की बात की पुष्टि करती है।

नक्सली सुधाकर मूलतः आंध्रप्रदेश के चिंतापलुदी या चिंतापल्ली का रहने वाला था। वह माओवादी विचारधारा, नीति-रीति और प्रचार से प्रभावित होकर नक्सल अभियानों का संचालन कर रहा था। वह नक्सल संगठन में शिक्षा विभाग के कामों को देखता था। वह पिछले कई सालों से छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में नक्सली संगठन को संभाल रहा था। इस नक्सल मुठभेड़ को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी के रूप में देखी जा रही है। बताया जाता है कि माओवादियों के बड़े कैडर तेलंगाना राज्य समिति सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडर्स के जमा होने की सूचना पर संयुक्त फोर्स नक्सल आपरेशन पर निकली थी। इसमें डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त बल को अभियान पर भेजा गया था।

गुरुवार सुबह में बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जवानों ने टॉप नक्सली कमांडर नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधाकर को ढेर कर दिया। मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ भी सकती है। इससे पहले 21 मई को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में फोर्स ने सवा तीन करोड़ रुपये के दुर्दांत नक्सली नेता बसवराजू समेत 28 नक्सलियों को मार गिराया था। नंबाला केशव उर्फ बसवराजू नक्सलियों का महासचिव था। इस दौरान जवानों का जश्न मनाते वीडियो भी वायरल हुआ था।

# दिल्ली साकेत कोर्ट के लॉकअप में दो कैदियों ने दूसरे कैदी को मार डाला

**एजेंसी/नई दिल्ली**

दिल्ली के साकेत कोर्ट के लॉकअप के अंदर दो अन्य कैदियों ने अमन नामक कैदी की हत्या कर दी। वे दोनों तिहाड़ जेल नंबर 8 में बंद थे और उन्हें अदालती कार्यवाही के लिए साकेत कोर्ट लाया गया था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मृतक अमन और दोनों आरोपी कैदी तिहाड़ जेल नंबर 8 में बंद थे। जानकारी के अनुसार, जितेंद्र और जयदेव नाम के कैदियों ने साकेत कोर्ट के लॉक अप में अमन की हत्या की। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जितेंद्र और अमन के बीच साल 2024 में मामले को लेकर पुरानी दुश्मनी है। उस समय दोनों ही जेल के बाहर थे। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही साकेत कोर्ट परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को कंट्रोल करने की कोशिश की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

# फीस न देने पर छात्र को नहीं कर सकते सस्पेंड

## हाईकोर्ट की टिप्पणी

**एजेंसी/नई दिल्ली**

दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारका के फीस विवाद पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि फीस न भरने पर छात्रों को न तो छात्रों को संस्पेंड किया जा सकता है और न ही उन्हें रोकने के लिए बाउंसर तैनात कर सकते हैं। जस्टिस सचिन दत्ता ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि डीपीएस स्कूल द्वारा इस तरह की अनैतिक परंपरा की स्कूल में कोई जगह नहीं है। यह कदम न सिर्फ एक बच्चे की गरिमा को ठेस पहुंचाने है वाला है, बल्कि जहनी तौर पर भी प्रभाव डालता है। ये घटना समाज में स्कूल की असल भूमिका को लेकर बुनियादी समझ की कमी को भी प्रदर्शित करता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई स्कूल किसी छात्र को फीस न भरने के चलते इस तरह से सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करते हैं या धमकाने की कोशिश करते है, तो यह न महज बच्चों का मानसिक उत्पीड़न है, बल्कि उसके आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंचाता है। कोर्ट ने कहा कि भले ही स्कूल अपनी सेवाओं के लिए फीस लेते हैं तो भी उनकी तुलना पूरी तरह से व्यवसायिक संस्थाओं से नहीं की जा सकती, जबकि स्कूल का पहला मकसद महज मुनाफा कमाना नहीं है, बल्कि बच्चों को शिक्षित कर उनका विकास करना है।

## आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की चली गई जान, सरकार ने की कार्रवाई

# बेंगलुरु भगदड़... इंस्पेक्टर से लेकर कमिश्नर तक सस्पेंड

**एजेंसी/बेंगलुरु**

इंडियन प्रीमियर लीग में आरसीबी की जीत को लेकर बेंगलुरु में आयोजित समारोह के दौरान मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ी कार्रवाई की है। घटना को लेकर पुलिस इंस्पेक्टर से लेकर कमिश्नर लेवल तक के अधिकारी सस्पेंड कर दिए गए हैं। इनमें पुलिस कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी सेंट्रल जोन, एसीपी सेंट्रल जोन, एसीपी इंचार्ज स्टेडियम और एसएचओ कब्बन पार्क शामिल हैं।

बता दें कि बुधवार को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए थे। घटना को लेकर हंगामा खड़ा होने के बाद सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बेंगलुरु में भगदड़ के मामले को लेकर गुरुवार की शाम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा- कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर, एसीपी, सेंट्रल डिवीजन डीसीपी, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम सिद्धारमैया ने पुलिस को निर्देश दिया है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डीएनए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया जाए। सीएम सिद्धारमैया ने आगे ये भी बताया है कि बेंगलुरु में भगदड़ की घटना की जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। आयोग 30 दिनों के भीतर इस मामले में रिपोर्ट सौंपेगा।

# ग्रामीण इलाकों के सर्वांगीण विकास के लिए सड़कों का निर्माण अत्यंत आवश्यकः विधायक

♦ नावानगर प्रखंड के चौबीस ग्रामीण 24 सड़कों के निर्माण कार्य का विधायक ने किया शुभारंभ

**केटी न्यूज/नावानगर**

स्थानीय प्रखंड के पश्चिमी क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए क्षेत्रीय विधायक डॉ. अजीत कुमार कुशवाहा ने गुरुवार को 24 ग्रामीण सड़कों के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। ये सभी सड़कें ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा स्वीकृत की गई हैं। इनके निर्माण से क्षेत्र के दर्जनों गांवों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में विधायक ने कहा कि ग्रामीण इलाकों के सर्वांगीण विकास के लिए सड़कों का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इन सड़कों के बन जाने से न सिर्फ लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा हर जरुरी मुद्दों पर हमने विधानसभा के सदन से लेकर सडकों तक आवाज उठाया है। आज उन कोशिशों को हम धरातल पर उतरने में सक्षम हो रहें हैं। साथ ही, विधायक ने अधिकारियों को गुणवत्ता से समझौता न करने और समय पर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

**आवागमन होगा सरल, बढ़ेगी सहूलियत :** कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय ग्रामीणों और अन्य लोगों ने डुमरांव विधायक की इस पहल की पूरजोर सराहना की। लोगों ने कहा कि इन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण से एक ओर जहां आवागमन सरल होगा, वहीं इनके बनने से आम लोगों के जीवन में सहूलियत भी बढ़ेगी। इन सड़कों से अब इलाके लोगों को प्रखंड व अनुमंडलीस स्तर पर सरकारी कार्यालय, अस्पतालों और बाजारों में आसानी होगी।

वहीं, दूसरी ओर लोगों ने कहा कि इलाके के किसान भी अब समृद्ध हो सकेंगे, क्योंकि किसानों को अपनी फसलों व उपज को बाजार व मंडियों में पहुंचने में पहले की अपेक्षा कम समय लगेगा। इससे उनकी आमद में भी वृद्धि होगी। साथ ही, इलाके के छात्र-छात्राओं को कॉलेज व ट्यूशन में आने-जाने में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।।

**इन ग्रामीण सड़कों का बहुरेगा दिन :** ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कराया जा रहा ग्रामीण सड़क निर्माण कार्य से कुल 24 सडके का दिन बहुरने वाले हैं। जिनकी कुल लम्बाई 62.600 किमी है। साथ ही इन सड़कों के निर्माण कार्य के लिए 4270.244 लाख रुपए की लागत खर्च आएगी। इसकी जानकारी विधायक ने दिया। बताया कि चल रही सड़क निर्माण कार्य में नावानगर से बराढ़ी, जिसकी लंबाई 16.500 किमी है। इसमें लागत खर्च 1193.577 लाख रुपए आएगी। वहीं सिकरौल लख से कोरनसराय पूल वाया भदार आथर रोड़ की लंबाई 9.800 किमी में 589.726 लाख रुपए, घुन्सारी पूल से सतुहरी रोड़ की लंबाई 7.700 किमी में लागत खर्च 477.832 लाख रुपए, तथा पीडब्ल्यूडी धवई उसरा रोड़ की लंबाई 3.650 किमी के लिए 148.585 लाख रुपए के अलावा अन्य प्रमुख सड़क शामिल हैं।

## स्थानीय संवेदकों द्वारा कराया जाएगा सड़क निर्माण का क्रियान्वयन

इन सड़कों का निर्माण कार्य ग्रामीण कार्य विभाग के माध्यम से किया जा रहा है और इसका क्रियान्वयन स्थानीय संवेदकों द्वारा किया जाएगा। निर्माण के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागीय अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे। वहीं ग्रामीणों ने इस परियोजना के प्रति खुशी जताई। मौके पर ग्रामीणों कार्य विभाग के सहायक अभियंता गुड्डू कुमार साह, कनीय अभियंता संतोष तिवारी, माले के प्रखंड सचिव विरेन्द्र सिंह, मड़िया पैक्स अध्यक्ष नीरज यादव, नारायण दास, राजद के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र सिंह यादव, जगनारायण सिंह, सुरेन्द्र प्रसाद, सिकरौल मुखिया मनोज सिंह, दीपक कुमार, पीयूष यादव, छठु कुशवाहा, सुनील सिंह समेत अन्य थे।

## चौकीदार से मारपीट मामले में दो पर नामजद प्राथमिकी

**डुमरांव।** जिले के कृष्णाब्रह्म थाना में एक चौकीदार से मारपीट मामले में दो लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बजरंगबली यादव 20 दिनों पूर्व बिजली चोरी के मामले में नोटिस लेकर एक व्यक्ति के घर गया था। जहां पर नोटिस लेकर पहुंचे चौकीदार से उन लोगों ने दुर्व्यवहार किया। नोटिस से नाराज स्थानीय गांव के वीर बहादुर ठाकुर व संदीप ठाकुर ने चौकीदार को मारने की धमकी दी और कहा कि क्या वो दारोगा है, इसके लिए चौकीदार को अंजाम भुगतने की बात कही।

वहीं, बुधवार की शाम जब वो गांव के एक परिचित के यहां से शादी का भोज खाकर वापस लौट रहा था, तब रास्ते में दोनों आरोपितों ने उसे रोका और लाठी-डंडे से एस पर प्रहार करने लगे। जैसे तैसे चौकीदार ने अपनी जान बचाई और वहां से भाग निकला। बाद में परिजनों की मदद से उसका इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। वहीं, मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी चौकीदार के ब्यान पर दोनों आरोपितों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की।

इस संबंध में कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में दोनों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जिसके बाद आरोपितों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है।

## जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज व केसठ सीएचसी का किया निरीक्षण

# भवनों का निर्माण तेजी से कराते हुए निर्धारित अवधि में पूरा करें कामः डीएम

♦ जीएमसीएच की विशेषताओं से अवगत हुए जिलाधिकारी

**केटी न्यूज/बक्सर**

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने निमार्णाधीन सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी को बताया गया कि डीपीआर के अनुसार निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज के सभी भवनों के निर्माण कार्य पूर्ण कराने की समय सीमा मार्च, 2026 निर्धारित की गई है। लेकिन अब तक लगभग 55 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुआ है।

जिलाधिकारी ने परियोजना की प्रगति पर नाराजगी जताते हुए भवन निर्माण कराने वाली कंपनी बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमएसआईसीएल) के परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिया कि सभी भवनों में त्वरित गति से कार्य कराते हुए निर्धारित अवधि तक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, कार्य की गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाए, यदि कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाई गई तो कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

**दिसंबर, 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा केसठ सीएचसी का निर्माण :** वहीं, इस क्रम में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने केसठ प्रखंड अंतर्गत निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां बीएमएसआईसीएल के परियोजना प्रबंधक ने बताया कि इस जी+3 भवन का निर्माण का कार्य इस साल के दिसम्बर माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जायेगा। वहीं, निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने पाया कि लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसकी प्रगति डीपीआर के तहत धीमी पाई गई। परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि माहवार कार्य योजना बनाकर उसकी एक प्रति एसडीएम एवं बीडीओ को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्धारित अवधि के अंदर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, जिलाधिकारी ने डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व वरीय प्रभारी पदाधिकारी प्रखंड को निर्देश दिया कि वो अपने स्तर से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण करेंगे। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन बक्सर, डुमरांव भूमि सुधार उप समाहर्ता, वरीय प्रभारी पदाधिकारी प्रखंड केसठ, परियोजना प्रबंधक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## भूकंप प्रतिरोधी प्रणाली के साथ बनाया जा रहा है जीएमसीएच

निरीक्षण के क्रम में बीएमएसआईसीएल के परियोजना प्रबंधक ने जिलाधिकारी को जीएमसीएच परियोजना की मुख्य विशेषाताओं से अवगत कराया। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि जीएमसीएच भूकंप प्रतिरोधी प्रणाली के साथ बनाया जा रहा है। इसमें लीड रबर बियरिंग के साथ बेस आइसोलेशन तकनीक 500 बेड वाला अस्पताल ब्लॉक भी शामिल है। अस्पताल ब्लॉक में 11 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर बनाया जाएगा। इसके अलावा अस्पताल ब्लॉक में इमरजेंसी, ब्लॉक बैंक, आईसीयू, एनआईसीयू व पीआईसीयू इकाई भी बनाए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज में प्रति वर्ष 100 अभ्यर्थियों की प्रवेश क्षमता के आधार पर छात्र-छात्राओं, नर्सों व प्रशिक्षुओं के लिए विशेष छात्रावास ब्लॉक भी बनाया जा रहा है। वहीं, संकाय एवं कर्मचारियों के लिए आवासीय ब्लॉक का भी निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही, अस्पताल में इलाजरत मरीजों के रिश्तेदारों के रात्रि विश्राम के लिए 60 बेड की क्षमता वाला धर्मशाला भवन भी निमार्णाधीन है। पूरा परिसर आवश्यक सेवाओं में आत्मनिर्भर होगा, जिसमें ऑन-साइट सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जल उपचार संयंत्र, भूमिगत जल टैंक व विद्युत सबस्टेशन सम्मिलित है।

## छापेमारी में पांच किग्रा प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग जब्त, वसूला जुर्माना

♦ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नप ने बाजार में चलाया पुलिस के साथ छापेमारी अभियान

**केटी न्यूज/डुमरांव**

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नप ने प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। इस छापेमारी अभियान की शुरूआत नया थाना से होकर स्टेशन रोड, गोला रोड, शहीद गेट, चौक रोड होते हुए राजगढ़ चौक तक चला। इस दौरान लगभग 40-50 दुकानों पर छापेमारी की गई। दल और पुलिस को देखते ही बाजार में अफरातफरी मच गई और शटर गिरने लगे। इसके जद में अधिकांश छोटे दुकानदार ही आए।

वहीं, नप क्षेत्र के बड़े दुकानदार तो शटर गिराकर गायब हो चुके थे। इसकी सबसे बड़ी मंडी राजगोला का अनाज कटरा जहां होल सेलरों की दुकाने हैं, उनको भनक पहले लग जाती है और वे दुकान बंद कर गायब हो जाते हैं। जिस गोदाम में रहते हैं, उसमें ताला बंद रहता है, जिससे कोई पहुंच नहीं पाता है। लोगों का कहना है कि इसके बेचने से आज जीवन पर खतरा है तो इसको रोकन के लिये बराबर छापेमारी होनी चाहिए इतना ही नहीं जिस गोदाम पर सक हो उसका ताला तोड़ चेक करना चाहिए।

वहीं, छापेमारी के इस संबंध में नगर परिषद के हेड कलर्क दुर्गेश सिंह ने बताया कि नगर परिषद की टीम ने जब छापेमारी शुरू की तब उन्होंने देखा की टीम को देखकर ज्यादातर दुकानों के मालिकों ने अपने दुकानों का शटर गिरा लिया। वहीं, जो खुले से उनके दुकान पर से लगभग लगभग 50 किग्रा प्लास्टिक जब्त किया गया। जिसके यहां जब्त किया गया, उनसे जुर्माना भी वसूला गया, जिससे कुल चार हजार रुपए की वसूली की गई। आगे छापेमारी में फिर पकड़े जाने पर इससे दुगना जुमार्ना लगाने की बात कही गई।

## सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाएं बकरीदः थानाध्यक्ष

**केटी न्यूज/नावानगर**

आगामी बकरीद पर्व को लेकर नावानगर थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ मनोज कुमार एवं थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में थाना क्षेत्र के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए। सभी से आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

इधर अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि बकरीद के मौके पर अफवाहों से दूर रहें। साथ ही सोशल मीडिया पर किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट से बचें। थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने कहा कि पुलिस प्रशासन हर स्थिति पर नजर रखे हुए है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, बीडीओ मनोज कुमार ने लोगों से आग्रह किया कि वे परंपरागत तरीके से त्योहार मनाएं। सभी लोग प्रशासन को सहयोग करें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। बैठक के दौरान बिजली, पानी, साफ-सफाई और सुरक्षा जैसे

विषयों पर भी चर्चा की गई। बाद में शांति समिति के सदस्यों ने भी भरोसा दिलाया कि वे प्रशासन के साथ मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखेंगे। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न होने के साथ सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि बकरीद पर्व को शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। बैठक में मुखिया प्रतिनिधि इजाजुल हक, मो सिराजूदीन, रिंटू अंसारी, सरदार सिंह कुशवाहा, सुनील यादव, भूलू सिंह, सुदर्शन यादव,समेत अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व दोनों समुदाय के गणमान्य लोग मौजूद थे।

## केदार बने सरकारी पीपी वहीं मनेन्द्र सिंह जीपी

**बक्सर।** सरकारी वकील के रूप में दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं का चयन किया गया है। केदार तिवारी को सरकारी पीपी मनोनीत किया गया है। वे पूर्व में भाजपा के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वहीं जीपी के पद पर मनेन्द्र सिंह का मनोनयन किया गया है। पहले इस पद पर नंदगोपाल व प्रभुनाथ सिंह लंबे समय से काबिज थे। लेकिन, अब इन पदों पर तीन वर्ष के लिए इन दो लोगों का चयन हुआ है। इन अधिवक्ताओं के चयन पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा व महासचिव पप्पू पांडेय ने इन्हें शुभकामनाएं दी हैं। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने केदार तिवारी को बधाई देते हुए कहा कि वे हमारे बड़े भाई हैं। पूर्व में भाजपा के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

## कालाजार के लक्षण वाले मरीजों की खोज करेंगी आशा कार्यकताएँ

♦ सदर प्रखंड के दो पंचायतों के चार गांवों में चल रहा है अभियान

♦ 15 जून तक प्रभावित गांवों में लोगों को किया जाएगा जागरूक

**केटी न्यूज/बक्सर**

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसके तहत हाल ही में जिले में प्रभावित इलाकों में दवाओं का छिड़काव संपन्न कराया गया। वहीं, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय द्वारा प्रभावित गांवों में घर-घर कालाजार रोगी खोज अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत प्रभावित गांवों में आशा कार्यकताएं घर घर जाकर परिवार के सदस्यों में कालाजार के लक्षण की जांच करेंगी। साथ ही, इसकी रिपोर्ट सदर प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को देंगी। वहीं, खोज अभियान के दौरान यदि किसी में कालाजार के लक्षण दिखाई देते है तो स्वास्थ्य टीम उक्त मरीज के घर जाकर लक्षणों की जांच करेगी। जिसमें कालाजार की पुष्टि होने पर उसका इलाज शुरू किया जाएगा।

इस क्रम में गुरुवार को जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार व बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत की। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पिछले तीन सालों में मिले मरीजों के आधार पर बड़का नुआंव पंचायत के बड़का नुआंव व गोप नुआंव गांव के अलावा चुरामनपुर पंचायत के साहोपारा व पड़री गांव में घर घर कालाजार रोगी खोज अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि घर घर खोज अभियान के दौरान आशा कार्यकताओं द्वारा सभी लोगों को कालाजार के संबंध में जागरूक भी किया जाएगा। साथ ही, उन्हें इलाज की पूरी जानकारी दी जाएगी। मौके पर बीएचआई उदय कुमार, आशा फैसिलिटेटर माया देवी व आशा कार्यकर्ता मंजू देवी भी मौजूद रही।

## विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत भ्रमण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

# कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र की सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं जिले के सभी किसानः कृषि वैज्ञानिक

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिले के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधि से खेती के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि, किसानों को सतत विकास की दिशा में प्रेरित किया जा सके।

इस क्रम में देशव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों की टीम ने सदर प्रखंड के करहंसी, इटाढ़ी प्रखंड अन्तर्गत हरपुर व लोधास, चौसा प्रखंड के पवनी, राजपुर के तियरा व देवढ़िया, ब्रह्मपुर प्रखंड के हरनाथपुर तथा डुमरांव प्रखंड के नुआंव एवं सोंवा पंचायत का भ्रमण कर 900 से अधिक किसानों के साथ संवाद करते हुए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि एवं

संबंद्ध क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूकता एवं अधिकाधिक प्रयोग के लिए किसान सारथी, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार आदि की जानकारी दी गई।

**किसानों को किया गया जागरूक :** साथ ही, इन सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, मोटे अनाज, मृदा स्वास्थ्य, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी, प्राकृतिक खेती आदि की जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया गया। टीम में कृषि विज्ञान केन्द, बक्सर से हरिगोबिन्द, रामकेवल, आरीफ प्रवेज, सरफराज अहमद खान, मुकेश कुमार, आईसीएआर पटना से डॉ. आशुतोष उपाध्याय, डॉ. विकास सरकार, डॉ. अजय कुमार तथा डूमरांव कृषि कॉलेज के डॉ. समीर प्रताप सिंह, सुदय प्रसाद, शांतिभुषण, नंदिनी शाह समेत कृषि संबंद्व जिला स्तरीय विभागों के पदाधिकारी ने सहयोग दिया।

**प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की कही बात :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर, पटना संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष उपाध्याय, वैज्ञानिक डॉ. विकास सरकार, डॉ. अजय कुमार, विशेषज्ञ हरि गोबिन्द व रामकेवल तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

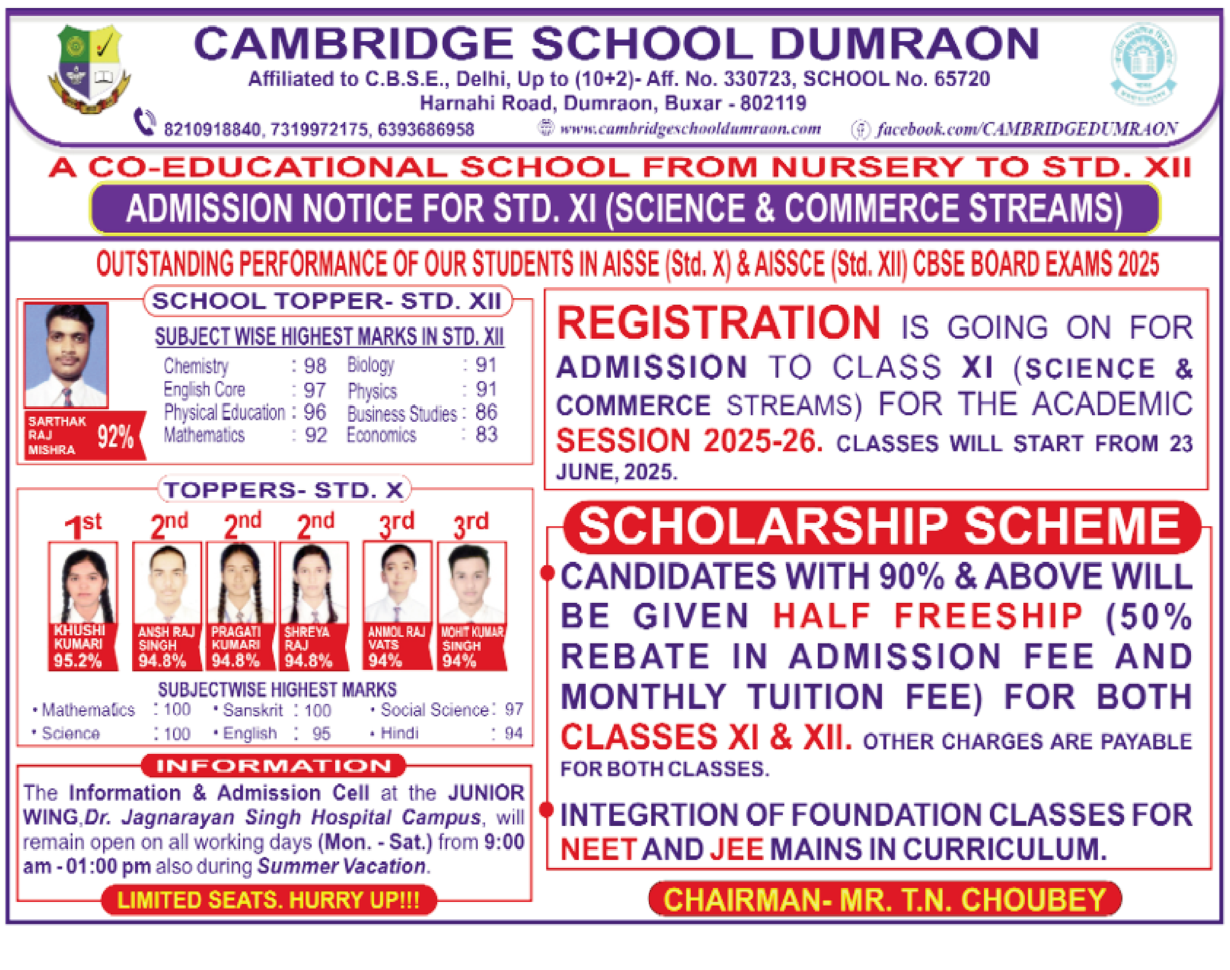

## विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अवर न्यायाधीश नेहा दयाल ने किया पौधरोपण, बोली...

# आने वाली पीढ़ियों को बेहतर एवं सुरक्षित कल देने में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण कदम

- जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय भवन में किया गया पौधरोपण
- लोगों को पर्यावरण संरक्षण व पौधरोपण की महत्ता से कराया गया अवत

### पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझेंगे लोग

अवर न्यायाधीश ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानव और पर्यावरण के बीच गहरे संबंध को समझाना जरूरी है। तभी लोग इसके प्रति अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। साल 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके बाद से हर साल यह दिन मनाया जाने लगा। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 1973 में "केवल एक पृथ्वी" थीम के साथ मनाया गया था। लगातार बढ़ता प्रदूषण सिर्फ मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि हमारी प्रकृति के लिए भी खतरनाक है। प्रकृति हमें जीवन जीने के लिए सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराती है। ऐसे में इसका दोहन हमारे जनजीवन को प्रभावित कर सकता है।

**केटी न्यूज/बक्सर**

राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में बक्सर व्यवहार न्यायालय स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय भवन में विधिक सेवा सदन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अवर न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नेहा दयाल एवं उपस्थित अन्य लोगों ने पौधरोपण कर की।

इस दौरान अवर न्यायाधीश नेहा दयाल ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण से संबंधित कानून, न्यायिक घोषणाएं, साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित लोगो को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हर साल पांच जून के दिन दुनियाभर में विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 1974 को मनाया गया था। पर्यावरण खतरों के बारे में और इससे होने वाले नुकसान को कैसे रोका जा सकता है। इन चीजों के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से यह दिन मनाया जाता है।

**पर्यावरण की रक्षा में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं हम :** अवर न्यायाधीश कि स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों को अपनाकर हम पर्यावरण की रक्षा में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं। इस अवसर पर बक्सर व्यवहार न्यायालय में पदस्थापित, विधिक सहायता प्रतिरक्षा परामर्श प्रणाली के चीफ विनय कुमार सिंहा, डिप्टी चीफ कुमार मानवेंद्र, संजय कुमार चौबे एवं सहायक काजल कुमारी, अभिनव वशिष्ट, आकाश कुमार श्रीवास्तव एवं विकास यादव के अलावा पैनल अधिवक्ता दीपिका कुमारी केशरी, अखिलेश्वर दुबे, रामा नंद मिश्रा, जितेंद्र कुमार सिन्हा, कंचन कुमारी, चंद्र विजय सिंह, चंद्र कला वर्मा एव अन्य विधिक सेवक सुंदरम कुमार, प्रेम प्रकाश पाठक, नीतू कुमारी रुकैया, दीपक कुमार, अंजुम कुमार रावत, द्वारा व्यवहार न्यायालय, बक्सर अवस्थित, न्याय वाटिका में पौधरोपण किया गया।

## पर्यावरण संरक्षण के लिए पंचायतों में पौधे लगाएंः डीएम

**बक्सर।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार पांच जून को चिलहरी पंचायत अंतर्गत उच्च विद्यालय के नवनिर्मित खेल मैदान के प्रागण में पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने पंचायत के मुखिया की उपस्थिति में पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक भी किया। साथ ही, इस दौरान जिलाधिकारी ने मनरेगा योजना से निर्मित खेल मैदान का निरीक्षण भी किया। इस क्रम में जिलाधिकारी ने स्थानीय युवक, युवतियों एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि मनरेगा योजना के माध्यम से बक्सर जिले में कुल 3,26,400 पौधे लगाये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। जिलाधिकारी ने मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को निदेश दिया कि पौधरोपण कार्यक्रम की शुरूआत करने से पूर्व इसकी कार्य योजना तैयार करें। ताकि, योजनाबद्ध तरीके से पौधे लगाकर जिले को प्रदूषण और अन्य समस्याओं से मुक्ति दिलाई जा सके। इस अवसर पर निदेशक डीआरडीए, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, कार्यपालक अभियंता मनरेगा, कार्यक्रम पदाधिकारी डुमरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी डुमरांव एवं अन्य उपस्थित थे।

## पर्यावरण संरक्षण के कार्य ईश्वर की पूजाः रमेश

**ब्रह्मपुर।** पर्यावरण संरक्षण के तहत जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में स्वयं सेवकों की देखरेख में पौधरोपण कार्यक्रम चलाए गए। इस क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर प्रखंड अंतर्गत राजपुर मौनिया बाबा स्थान एवं रघुनाथपुर में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के स्वयं सेवकों ने महोगनी के पौधे लगाएं। वहीं, राजपुर गांव स्थित जगदंबा भवानी स्थान पर पौधरोपण अभियान का नेतृत्व आशीष रंजन ठाकुर एवं रघुनाथपुर में पौधरोपण अभियान का नेतृत्व विशाल सिंह ने किया। कार्यक्रम को लेकर पर्यावरण विद रमेश कुमार सुदामा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण युग धर्म एवं पौधरोपण सबसे बड़ी साधना है, पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए कार्य ईश्वर की पूजा हैं। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण मिल सके इसके लिए सभी को कार्य करना चाहिए। पेड़ उपक्रम दक्षिण बिहार के सह प्रमुख नित्यानंद ओझा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बक्सर व भोजपुर जिला अनेक स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के स्वयं सेवकों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस क्रम में सह संयोजक शैलेश ओझा ने कहा कि अस्पताल में ऑक्सीजन देने वाले डॉक्टर को हम भगवान कहते हैं, ऐसे में जो 24 घंटे ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष तो साक्षात भगवान है। भाजपा नेता शंभू चंद्रवंशी ने कहा कि पौधरोपण सभी को करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य पुजारी गोविंद जी, सुनिल कुंवर, कमलबास ठाकुर, सुनिल तिवारी, उपमुखिया राजकुमार ठाकुर विशाल सिंह, आनंद शर्मा, करण यादव सहित अनेक लोग शामिल हुए।

## एक नजर

### डुमरांव में हर घर तुलसी, घर-घर तुलसी कार्यक्रम के तहत बांटे गए पौधे

**डुमरांव।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति बचाओ अभियान के तहत जल जीवन हरियाली कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए तरु मित्र उमेश गुप्ता रौनियार ने हर घर तुलसी घर घर तुलसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए तुलसी का पौधा वितरण किया। इस क्रम में छठिया पोखरा के समीन गुलमोहर तथा छठिया पोखरा के किनारे आम के पौधे लगाए गए। साथ ही, मौके पर उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की गई। इस मौके पर तरु मित्र उमेश गुप्ता रौनियार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है। हर वर्ष दो डिग्री टम्प्रेचर बढ़ रही है आने वाला वर्ष हम सभी के लिये खतरा की घण्टी है सावधान होना पड़ेगा पृथ्वी की जलवायु में बदलाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है इसमें हमारे पृथ्वी के औसतन तापमान में बदलाव तक शामिल है पिछले कई दशकों से वैज्ञानिक इस बात पर चिंतित हो रहे है कि पृथ्वी पर गर्मी इस तरह बढ़ रही है किसकी अस्तित्व तक को खतरा हो गया है इसके लिए हम मानव पूर्ण रूप से जिम्मेदार है। आप सभी अपने जीवन में 18 पेड़ का लाभ लेते हैं, इसलिए पेड़ लगाए पेड़ बचाएं। साथ ही, एकल पोलथिंग का उपयोग हम सभी को बंद कर देना चाहिए। कागज व जूट का थैला हम सभी को अपनाना होगा तभी पर्यावरण की रक्षा हो सकता है। पर्यावरण मित्र कमलेश कुमार, सद्दाम अंसारी, आशीष गौतम, रक्षा सिंह, चुनचुन गुप्ता, संजय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

### इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने लगाए पौधे

**बक्सर।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'दी ग्रीन बक्सर प्रोजेक्ट' के युवा पर्यावरण मित्रों की टीम ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बक्सर के छात्रों के साथ मिलकर एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों और आचार्यों ने मिलकर गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के नवनिर्मित परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर छात्रों ने धरती को सुरक्षित रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और बेहतर निर्वहन का संकल्प लिया। 'दी ग्रीन बक्सर प्रोजेक्ट' के डायरेक्टर सह प्रोजेक्ट लीड श्री शशि रंजन ओझा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बक्सर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के साथ साथ बक्सर की हरियाली को वापस लाना है, साथ ही युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। विगत वर्ष 2024 जून 14 को बक्सर देश में सर्वाधिक गर्म जिला रिकॉर्ड हुआ था, जो बक्सर के इतिहास में पहली घटना थी। बक्सर में जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई दे रहा है एवं यह भूमि जो महर्षि विश्वामित्र की तपोस्थली हुआ करता था आज जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रहा है, शशि रंजन ओझा ने बताया कि उनका बक्सर की जनता के साथ यह प्रयोग पिछले साल बक्सर के सर्वाधिक गर्म रिकॉड होने के बाद शुरू हुआ था एवं यह सफल प्रयोग मालूम पड़ रहा है। दी ग्रीन बक्सर प्रोजेक्ट पूरे बक्सर में प्लांट अडॉप्शन ड्राइव चला रहा हैं एवं पूरे बक्सरवासियों ये प्रार्थना करते हैं कि लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में इनके मुहिम से जुड़े और कम से कम एक एक पौधा गोद लेकर इस अभियान को सफल बनाएं। शशिरंजन ओझा ने जीईसी के प्राचार्य का धन्यवाद ज्ञापन किया।

## सही मूल्य पर खाद नहीं मिलने से किसान हुए परेशान, अधिकारियों से लगाई गुहार

- निर्धारित दर से अधिक कीमत पर किसानों को मिल रही है खाद

**केटी न्यूज/डुमरांव**

राज्य सरकार के द्वारा खाद का उचित मूल्य 266 रुपये निर्धारित की गई है, लेकिन बाजार में 300 से 350 में बिक रही है। ऐसे में प्रखंड के किसानों का कहना है कि समय से नहरों में पानी नहीं आया, जिससे बिचड़ा डालने में परेशानी हो रही थी। अभी तक नहरें सूखी पड़ी हुई हैं, जिससे किसानों को बिचड़ा में और खेतों की जुताई के लिये पानी खरीदना पड़ रहा है। अब खाद की कालाबाजारी ने उनकी कमर को तोड़ दिया है। कई किसानों ने बताया कि निर्धारित दर पर खाद दुकान से मांगने पर नहीं दिया जा रहा है।

**रेक प्वाइंट से ही शुरू हो जाती है कीमत में बढ़ोत्तरीः** इस संबंध में खाद विक्रेताओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिले में खाद के रेक प्वाइंट से ही इसकी कीमत में बढ़ोत्तरी शुरू हो जाती है। उन्हें रेक प्वाइंट से ही 270 रुपये के साथ गोदाम तक लाना पड़ता है, उसमें भाड़ा का खर्च जोड़ दिया जाए तो खाद प्रति बोरा कितना बैठेगा इसका सही अनुमान लगाया जा सकता है। विक्रेताओं के अनुसार गोदाम तक खाद को पहुंचाना होता है, लेकिन डीलर अपनी पहुंच के माध्यम से रेक प्वाइंट उठा खाद गोदाम तक लाते हैं। फिर डीलर विक्रेताओं को सप्लाई देते हैं, तो जाहिर सी बात है जो रेट है, उससे बढ़ाकर ही खाद देते हैं।

इधर किसानों का कहना है कि हम सब यह क्या जानते हैं, हमें तो सरकारी दर पर खाद मिलना चाहिए। यह तो प्रशासन का काम है, जो स्टॉकिस्ट या डीलर उनके साथ बैठक कर इसका समाधान निकालें, इन मामलों में किसानों को क्यों लपेटा जा रहा है।

## बूथों के सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

**बक्सर।** बक्सर नगर पश्चिमी की बूथ सशक्तिकरण की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष पं. अजय वर्मा ने एवं संचालन बूथ सशक्तिकरण प्रभारी अंजय चौबे ने की। इस दौरान बूथ सशक्तिकरण के बक्सर विधानसभा प्रभारी सुनील राम एवं नगर प्रभारी मदन दुबे ने बूथों को मजबूत करने के लिए पार्टी द्वारा चलाए जा रहे बूथ सशक्तिकरण पर जोर दिया। बैठक में भास्कर प्रताप सिंह को सोशल मीडिया एवं पंकज उपाध्याय को आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष केदारनाथ तिवारी जी को बक्सर न्यायालय के लोक अभियोजक नियुक्त होने पर नगर अध्यक्ष अजय वर्मा ने अंगवस्त्र एवं माला देकर मिठाई खिलाकर बधाई दिया जिसमें मुख्य रूप रोहतास प्रभारी हिमांशु चतुर्वेदी, धनंजय राय, पारसनाथ मिश्र, प्रेम मिश्रा, पुनीत सिंह, अखिलेश सिंह पूर्व मुखिया, अजय श्रीवास्तव, श्रीमन तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, चंदन सिंह, नीलमणि चौधरी, विपुल राय, चितरंजन तिवारी, अरुण कुमार पांडेय, जितेंद्र कुमार सिंह सहित ढेर सारे कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## ढाबा संचालक से मारपीट मामले में चार नामजद, मैगजीन व चार कारतूस बरामद

- थाने में दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित ने एक आरोपित को बताया झारखंड राज्य का पेशेवर अपराधी

**केटी न्यूज/डुमरांव**

जिले के कृष्णाब्रह्म थाना अंतर्गत पटना बक्सर एनएच-922 के छोटका ढकाइच गांव के समीप एक ढाबा संचालक से कुछ लोगों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक मैगजीन व चार जिंदा कारतूस बरामद किया है। वहीं, जख्मी ढाबा संचालक के बयान पर स्थानीय थाना में चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार ढाबा संचालक ने आरोप लगाया कि बुधबार देर रात्रि जब वो अपना होटल बंद कर रहा था तब चार उन्होंने तोड़ दिया। इसके बाद जाते जाते उन्होंने कहा कि अगर पुलिस को सूचना दी तो जान से मार देंगें। घटना के बाद पीड़ित ने डायल 112 को सूचना दी, तो जख्मी हालत में पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घटना स्थल से एक पिस्टल का मैगजीन व चार गोली पुलिस की है। दर्ज प्राथमिकी में एक व्यक्ति को झारखंड का पेशेवर अपराधी बतया गया है।

वहीं, जख्मी ढाबा संचालक विकास प्रधान के बयान पर स्थानीय थाना में बड़का ढकाइच गांव निवासी सुधीर दूबे, नीरज दूबे, रितेश पांडेय, रितिक दूबे उर्फ डेंजर दूबे सहित कुल चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। कृष्णाब्रह्म प्रभारी थानाध्यक्ष महेश प्रसाद सिंह ने कहा कि घटना के सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल से एक पिस्टल का मैगजीन चार पिस्टल का जिंदा कारतूस पुलिस ने जब्त किया है।

## खरवार स्वाभिमान बचाओ सह हुंकार महासम्मेलन की तैयारी को लेकर तय हुई रणनीति

## नप के विस्तारित क्षेत्र के नया भोजपुर के वार्ड-12 में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित, लोगों ने कहा-

# अंधेरे के कारण सड़क हादसों में हुई है बढ़ोत्तरी

**केटी न्यूज/डुमरांव**

नगर परिषद क्षेत्र के पुराना भोजपुर के वार्ड संख्या 12 में गुरुवार को जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए उचित कदम उठाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद की प्रबंधक स्तुति सिन्हा और जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र पांडेय ने संयुक्त रूप से की। जनसंवाद के दौरान नागरिकों ने कई बुनियादी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रमुख मुद्दों में पानी की किल्लत, जल निकासी की खराब व्यवस्था, जर्जर सड़क, जल-नल योजना में गड़बड़ी, हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटों का अभाव शामिल रहे। नागरिकों ने कहा कि वार्ड में रात के समय अंधेरा रहता है, जिससे दुर्घटनाओं और असुरक्षा की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने इन सभी समस्याओं के समाधान की मांग की।

**सात हाई मास्ट लाइट की मांग की गई हैः** स्थानीय लोगों को नगर प्रबंधक स्तुति कुमारी ने अवगत कराया कि वार्ड पार्षद द्वारा सात हाई मास्ट लाइट की मांग की गई है जिसे योजना में ले लिया गया है। वहीं कई जर्जर सड़कों के निर्माण की मांग भी वार्ड पार्षद पवन गोंड द्वारा की गई है, जिनको स्वीकृति दे दी गई है। जल्द ही आपकी इन समस्याओं का निदान भी कर लिया जाएगा। इस मौके पर होल्डिंग टैक्स को लेकर भी लोगों ने अपनी परेशानी जाहिर की। स्थानीय लोगों का कहना था कि जब नगर परिषद का बोर्ड 2023 में गठित हुआ, तो उन्हें 2021 से टैक्स क्यों दे। इस पर नगर प्रबंधक ने आश्वासन देते हुए कहा कि इस मुद्दे को लेकर सरकार को पत्र भेजा गया है और विभागीय स्वीकृति मिलने के बाद टैक्स की गणना 2023 से ही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और भविष्य में ऐसे जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि नागरिकों से सीधा संवाद बना रहे।

# मां गंगा केवल आस्था का केंद्र नहीं बल्कि हमारे जीवन की रेखा भी

♦ मां गंगा के प्रति जागरुक कर नदी के प्रवाह में गंदगी न फैलाने का दिया गया संदेश

**केटी न्यूज/आरा**

जिला गंगा समिति भोजपुर के तत्वाधान में गुरुवार महुली गंगा घाट पर गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मां गंगा आरती और पौधारोपण एवं पौधा वितरण का कार्यक्रम आयोजन किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को मां गंगा का स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने में सहयोग प्रदान करने के लिए आग्रह किया गया साथी साथ स्थानीय लोगों को पौधा वितरण किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, प्रभारी पदाधिकारी विकाश शाखा, अनुसरण अनुमंडल पदाधिकारी, जिला समन्वयक भोजपुर अमित कुमार सिंह जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति नमामि गंगे एवं आईटीसी के जिला समन्वयक भीम कुमार उपस्थित और मुखिया प्रतिनिधि रहे। जिला ग्रामीण अभिकरण के निर्देशक ने कहा कि महुली गंगा घाट पर प्रत्येक पूर्णिमा और अमावस्या को जिला अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार कराई जा रही है। इस आरती का मुख्य उद्देश्य यही है कि लोगों को मां गंगा के प्रति जागरुक कर नदी के प्रवाह में गंदगी न फैलाने का संदेश देना है। यह बताने का प्रयास किया गया कि इस गंदगी से न केवल मानव समाज को ही परेशानी हो सकती है। बल्कि इस नदी में कई जीव-जंतु रहते है। उन पर भी असर पड़ रहा है। इस आरती को करने वाले पुरोहित मुरारी तिवारी मनीष तिवारी कुंदन कुमार ,ने विधिवत पूजा करके आरती का शुभारंभ किया। इस मौके पर स्वच्छता पर्यवेक्षक अजीत कुमार शिव बालम कुमार ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष कुमार सिंह चंदन कुमार सिंह कुंदन कुमार मनु कुमार धनु कुमार, मनोज तिवारी जितेंद माझी ,जीतू माझी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# महिला का पंखे से लटका मिला शव, मायके वालों ने जमीन के लिए लगाया हत्या का आरोप

**केटी न्यूज/आरा**

जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के पोरहा गांव में गुरुवार की सुबह पंखे से लटका एक महिला का शव बरामद हुआ। मृतका के गर्दन में अर्धचंद्राकार के आकार का काला निशान एवं बाएं कान के पास छिलने का निशान पाया गया, जिसके कारण मायकेवालों ने ससुरालवालों पर जमीन नहीं लिखने के कारण उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया। मृतका सिन्हा थाना क्षेत्र के पोरहा गांव निवासी सोहन साह की 26 वर्षीया पत्नी काजल देवी है। इधर, मृतका के भाई गगन कुमार ने बताया कि पति-पत्नी के बीच बराबर झगड़ा होता था। उसके जीजा सोहन साह आधा कट्ठा जमीन व बाइक की मांग कर रहे थे। इससे पहले उन लोगों द्वारा उन्हें सोने का चेन भी दिया गया था। बावजूद इसके वे आधा कट्ठा जमीन की मांग कर रहे थे। चार माह पूर्व उन लोगों ने समझौता करा कर अपनी बहन को वापस ससुराल भेजा था। इसी बीच जीजा सोहन साह द्वारा फोन कर उन्हें सूचना दी गयी की तुम्हारी बहन ने रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पाकर परिजन उसके ससुराल पोरहा गांव पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में जमीन में पड़ी है। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं, दूसरी तरफ मृतका के भाई गगन कुमार ने अपने जीजा सोहन साह एवं उनके परिवार वालों पर आधा कट्ठा जमीन नहीं लिखने के कारण गला घोंटकर अपनी बहन की हत्या करने का आरोप लगाया है। सिन्हा थानाध्यक्ष चंद्रशेखर चौहान ने बताया कि परिजन द्वारा जमीन नहीं लिखने के कारण उसकी का आरोप लगाया जा रहा है।

### चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी बाजार स्थित न्यू पेट्रोल पंप के समीप घटी घटना

# भोजपुर में अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही महिला को मारी टक्कर, मौत

♦ इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्हें रास्ते में तोड़ा दम

**केटी न्यूज/आरा**

आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी बाजार स्थित न्यू पेट्रोल पंप के समीप अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही महिला को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव निवासी राजेश सिंह के 49 वर्षीया पत्नी कुसुमी देवी है। इधर मृतका के भैंसुर सुदामा राम ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह अपने छोटे बेटे विशाल के साथ बाइक से गड़हनी बाजार मार्केटिंग करने गई थी। मार्केटिंग करने के बाद जब वह घर वापस लौट रही थी।

उसी बीच उनका बेटा उन्हें सड़क किनारे खड़ा कर गड़हनी बाजार स्थित न्यू पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए गया था। आने के बाद जब अपनी मां को बाइक पर बैठने के लिए बुला रहा था और वह सड़क पार कर रही थी। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतका को चार पुत्र विकाश, गोविंद, वीणा एवं विशाल है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## नॉर्थ ईस्ट ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

**आरा।** दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर बिहिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर गुरुवार की सुबह नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ महिला की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतका जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अखौड़ी मोहल्ला वार्ड नंबर 10 निवासी स्व.अशोक चौधरी की 61 वर्षीया पत्नी आशा कुंअर है। इधर मृतका के बेटे रामजी चौधरी ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह गांव के ही एक व्यक्ति के साथ बिहिया स्टेशन से बक्सर जाने के लिए ट्रेन पर पकड़ने गई थी। बिहिया स्टेशन पर पहुंचने के बाद जब रेलवे ट्रैक पार कर प्लेटफार्म नंबर दो पर जा रही थी। उसी दौरान नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद उनके साथ रहे गांव के व्यक्ति द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन बिहिया स्टेशन पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना रेल पुलिस को दी। सूचना पाकर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है की मृतका को सिर्फ तीन पुत्र इंद्रजीत चौधरी,रामजी चौधरी एवं विशुनजीत चौधरी है। घटना के बाद मृतका के घर मे हाहाकार मच गया है।

## बिहिया में फायरिंग मामले में मुखिया सहित सात गिरफ्तार

**आरा।** भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में बुधवार की देर शाम आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट और फायरिंग मामले में पुलिस ने कल्याणपुर पंचायत के मुखिया सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मुखिया के अलावा कृष्णा यादव, सरोज यादव और दीपक सोनार के अलावा दूसरे पक्ष के रामबाबू यादव बलिराम यादव और धर्मेन्द्र यादव गिरफ्तार किये गये हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ही पक्ष आपसी विवाद को लेकर भिड़ गये और मारपीट शुरू हो गयी।इस दौरान पांच से छह राउंड फायरिंग की गयी। थानाध्यक्ष आदित्य कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गये। घटना को लेकर मुखिया वीरेन्द्र यादव के बयान पर 25 नामजद लोगों के खिलाफ और दूसरे पक्ष के रामबाबू यादव के बयान पर 22 नामजद लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस ने गोली का चार खोखा बरामद किया गया है। मुखिया वीरेन्द्र यादव की ओर से आरोप लगाया गया है कि उनके भतीजे के साथ मारपीट की जा रही थी।

# भोजपुर में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

**केटी न्यूज/आरा**

आरा-बड़हरा मार्ग पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में बुधवार की देर रात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार ट्रैक्टर इंजन मिस्त्री की मौत हो गयी। इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार मृतक टाउन थाना क्षेत्र के काजी टोला मुहल्ला निवासी अब्दुल वहाब का 35 वर्षीय पुत्र मो.कलीम है। वह पेश से ट्रैक्टर का इंजन मिस्त्री था। इधर, मृतक के बड़े भाई मो.सलीम ने बताया कि बुधवार की शाम वह बाइक द्वारा बड़हरा ट्रैक्टर के इंजन का काम करने के लिए गया था। बुधवार की देर रात काम कर वह वापस घर लौट रहा था. उसी दौरान दौलतपुर गांव के समीप ट्रक ने उसे रौंद दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया गया। पटना ले जाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को वापस सदर अस्पताल ले आये। टाउन थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। मृतक अपने तीन भाई व दो बहन में बड़ा था। उसके परिवार में पत्नी रेशमी खातून व दो पुत्र मो. तैमूर एवं मो.मुजरिक है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। उसकी पत्नी रेशमी खातून एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# बड़हरा क्षेत्र की सड़कों का निर्माण कार्य समय पर होगा पूरा: राघवेंद्र

**केटी न्यूज/बडहरा**

बड़हरा विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को नई दिशा देते हुए विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली कई प्रमुख सड़क परियोजनाओं का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। ये सड़कें ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा निर्मित की जा रही हैं। इस मौके पर विधायक ने कायमनगर-दौलतपुर सड़क (15 करोड़ रुपये), बबुरा-बिंदगांवा सड़क (4 करोड़ रुपये) और बड़हरा-पश्चिमी बबुरा सड़क के शेष हिस्से के निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया।

शुभारंभ समारोह में ग्रामीण कार्य विभाग के पदाधिकारी, संवेदक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और नारों के साथ जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि कार्य प्रारंभ में थोड़ी देरी हुई है, जिसके लिए मैं जनता से क्षमा चाहता हूं। लेकिन विश्वास दिलाता हूं कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता और समय बद्धता के साथ पूरा होगा। उन्होंने संवेदकों और विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में कोई लापरवाही न हो और तय समय सीमा से पहले इसे पूरा किया जाए। विधायक ने बताया कि कायमनगर-दौलतपुर सड़क की लंबे समय से मांग थी, जिसे अब साकार किया जा रहा है। इस सड़क से दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

# विश्वासघात करने वाले नेताओं को जनता माफ नहीं करेगी : दुर्गा राज

**केटी न्यूज/आरा**

संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर बुधवार को आरा परिसदन में भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान नेताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान राजनीतिक हालातों पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

प्रेस वार्ता में बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पीयूष शर्मा और जिलाध्यक्ष दुर्गा राज उपस्थित रहे। विधायक राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि 5 जून 1974 को जेपी ने बिहार की धरती से कांग्रेस की तानाशाही और आपातकाल के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। लेकिन आज उसी आंदोलन से निकले नेता कांग्रेस की गोद में बैठकर दलितों, पिछड़ों और वंचितों के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि जेपी के सपनों से विश्वासघात करने वाले नेताओं को बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पीयूष शर्मा ने कहा कि आज का दिन सजग नागरिकों और सच्चे लोकतंत्र का पर्व है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद को अब प्रायश्चित करना चाहिए, क्योंकि उनके कार्यों से जेपी की आत्मा आहत हुई है। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज गरीबों को शौचालय, आवास, मुफ्त गैस, मुफ्त अनाज और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं मिल रही हैं, जो जेपी के सपनों को साकार कर रही हैं। उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि उसने काका कालेलकर और मंडल आयोग की रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दलितों और पिछड़ों के साथ अन्याय किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि हम संपूर्ण क्रांति के 50 वर्षों को गर्व के साथ मना रहे हैं। पार्टी जेपी के सिद्धांतों को अपनाकर देश को विकसित राष्ट्र की दिशा में ले जाने है।

### कुंवर सिंह विश्वविद्यालय परिसर में जुटे शाहाबाद क्षेत्र के लोग

# शहीद राजनाथ के संघर्ष और बलिदान से हुई थी वीकेएसयू की स्थापना : सुरेंद्र सिंह

♦ शहीद राजनाथ की शहादत दिवस पर भव्य समारोह आयोजित

**केटी न्यूज/आरा**

आरा के कुंवर सिंह महाविधालय परिसर में शहीद राजनाथ की शहादत दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाहाबाद क्षेत्र के सभी जिलों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह ने की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में सुरेंद्र सिंह ने कहा कि यह शहीद राजनाथ के संघर्ष और बलिदान का ही परिणाम है कि आज कुंवर सिंह महाविधालय की स्थापना संभव हुई, आरा-छपरा पुल का निर्माण हुआ तथा आरा-सासाराम के बीच बड़ी रेल लाइन की स्थापना हुई। उन्होंने बताया कि शहीद राजनाथ ने 21 अक्टूबर को कुंवर सेना नामक एक गैर-राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन की स्थापना की थी, जिसने शाहाबाद क्षेत्र को मॉडल बनाकर विकास के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने आगे कहा कि शहीद राजनाथ ने हमेशा गरीबों की आवाज बुलंद की, सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने का प्रयास किया, और भ्रष्टाचार के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। कुंवर सेना संगठन के नेता आज भी उनके पदचिह्नों पर चलकर समाजसेवा में लगे हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान महासचिव त्रिभुवन सिंह ने कहा कि कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आंदोलन के प्रणेता शहीद राजनाथ की अब तक विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिमा स्थापित नहीं हो सकी है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मंच से घोषणा की कि शहीद की प्रतिमा स्थापना के लिए संघर्ष और आंदोलन किया जाएगा।

मुख्य वक्ता शाहपुर विधायक राहुल तिवारी ने कहा की शहीद राजनाथ एक युगपुरुष थे ऐसे व्यक्ति बार-बार नहीं पैदा नही होते है, जगदीशपुर विधायक डॉक्टर लोहियाजी ने कहा की शहीद राजनाथ के संघर्ष की देन है की शाहाबाद का विकास पूर्व विधायक आरा अनवर आलम ने कहा की राजनाथजी को हमलोग नेताजी कहते थे` वे हमरा मार्गदर्शक रहे है। पूर्व विधायक बडहरा आशा देवी ने अपने संबोधन में कहा की जीवन एवं मृत्यु में एक पल का फासला ही तो यह जीवन क्यों नही समाज एवं देश को समर्पित कर दिया जाया। यही नेता जी की सही नमन होगा।

# चिराग पासवान ने बिहार से विधानसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

♦ सीएम नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखकर बढ़ाया सिर दर्द

**केटी न्यूज/पटना**

चिराग पासवान ने विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान, अब चिराग पासवान ने जिस तरह से नीतीश सरकार पर हमले किए हैं और पूरे सिस्टम को ही फेल बता दिया है, उससे साफ जाहिर होता है कि उनके टारगेट पर फिर से नीतीश कुमार ही हैं। 2020 के चुनाव से पहले भी चिराग ऐसे ही नीतीश कुमार पर हमलावर रहे थे। बिहार विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ने के साथ ही लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान फ्रंटफुट पर खेलते नजर आ रहे हैं। चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चिराग अपने बयानों का डोज बढ़ाते जा रहे हैं। पहले तो उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया और अब मुजफ्फरपुर की दलित बच्ची के मामले पर नीतीश सरकार को ही कठघरे में खड़े करने में जुट गए। इस तरह चिराग पासवान एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के लिए सिरदर्द बनते नजर आ रहे हैं। मुजफ्फरपुर जिले में 26 मई को 9 साल की एक दलित बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ। पीएमसीएच अस्पताल में लापरवाही के चलते एक जून को उस दलित बच्ची की मौत हो गई। उसे छह घंटे तक एंबुलेंस में तड़पना पड़ा था। इस घटना ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया है। चिराग पासवान ने इस मामले पर नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार को ही कठघरे में खड़ा कर दिया है। चिराग ने कहा कि यह घटना सिर्फ एक बच्ची की हत्या नहीं है। यह राज्य के सिस्टम की नाकामी का सबूत भी है।

**नीतीश सरकार पर चिराग ने उठाए सवाल :** केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने दलित बच्ची के मुद्दे पर सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया और मामले की न्यायिक जांच करने की मांग की है। चिराग ने कहा है कि 26 मई को मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में दलित बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर नृशंस हत्या की घटना ने पूरे बिहार को झकझोर दिया है। यह हृदय विदारक घटना न केवल एक मासूम जीवन की बर्बर हत्या है, बल्कि हमारे राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की पूरी नाकामी को भी उजागर करती है। चिराग पासवान ने कहा कि मामला सामाजिक सिस्टम एवं राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी की विफलता का प्रतीक है।

## हाइवा ने 4 युवकों को रौंदा, 2 की मौत

**केटी न्यूज/पटना**

पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र के मझनपुरा गांव के पास गुरुवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शादी समारोह से लौट रहे एक बुलेट पर सवार चार युवकों को हाइवा ने रौंद दिया। इधर, हादसे में बिक्रम थानाक्षेत्र के राघोपुर मूसहरी गांव निवासी करण मांझी और बिट्टू मांझी की मौके पर ही मौत हो गई। बुलेट सवार नीतीश कुमार और मंटू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।दोनों घायलों को पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है। घायल में मंटू कुमार और नीतीश कुमार पालीगंज अनुमंडल के सिगोरी थानाक्षेत्र का रहने वाला है।घटना के समय चारों युवक एक ही बुलेट पर सवार थे। घर बिक्रम के राघोपुर मुसहरी लौट रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक भागने के प्रयास में युवकों को रौंदते हुए फरार हो गया।हालांकि, सड़क पर मौजूद लोगों ने ट्रक को आगे जाकर पकड़ लिया, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद कार्रवाई का किया ऐलान

# मुजफ्फरपुर में नाबालिग से रेप के आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

♦ डिप्टी सीएम के घोषणा के कुछ ही घंटों के अंदर दुष्कर्म के आरोपी को घर और होटल में योगी मॉडल कार्रवाई की गयी

**केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर**

मुजफ्फरपुर रेप कांड मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी के घर और ढाबा पर बुलडोजर चलाने के बाद आरोपी ने सरेंडर कर दिया है। भारी संख्या में पुलिस कर्मी जेसीबी लेकर आरोपी के घर और ढाबे पर पहुंचे थे। घर की कुर्की जब्ती की गयी और अतिक्रमण किए जाने को लेकर ढाबे पर बुलडोजर चलाई गयी।

पुलिस की इस कार्रवाई से डरकर आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। मुजफ्फरपुर कांड में बुलडोजर वाली कार्रवाई की गयी है। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद कार्रवाई का ऐलान किया था। उनके इस घोषणा के कुछ ही घंटों के अंदर दुष्कर्म के आरोपी को घर और होटल में योगी मॉडल कार्रवाई की गयी। तुर्की थाना क्षेत्र स्थित दुष्कर्म के आरोपी मुकेश कुमार राय के आलीशान घर और होटल पर बुलडोजर चलाया गया। ग्रामीण एसपी विद्यासागर और एसडीएम पश्चिम श्रेया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गयी। बता दें कि घटना 26 मई सोमवार की शाम की है। कुढ़नी थाना क्षेत्र के एक गांव में एक लड़के ने 11 साल के नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर बगल के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया और धारदार हथियार से गले और सीने पर हमला कर दिया। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गयी। लड़की का इलाज पीएमसीएच लाया गया जहां बेड नहीं मिला। बच्ची एम्बुलेंस में ही तड़पती रही। वो जिंदगी और मौत के बीच जुझ रही थी। जिसकी पीएमसीएच में मौत हो गयी। इस घटना को लेकर कांग्रेस, जन सुराज पार्टी ने भारी विरोध जताया और मामले में कार्रवाई की मांग की। विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए कहा कि था यदि बच्ची का सही समय पर इलाज शुरू होता तो आज वो हम सबके बीच होती।

### बोले डिप्टी सीएम... नहीं बख्शें जायेंगे आरोपी

**मुजफ्फरपुर।** बिहार के डिप्टी सीएम और मुजफ्फरपुर के प्रभारी मंत्री विजय सिन्हा लाव-लश्कर के साथ मृतका के परिवार से मिलने के लिए मुजफ्फरपुर पहुंचे थे। तब पीड़िता के परिजनों ने कहा-हुजूर अस्पताल में लापरवाही के कारण हमारी बच्ची मर गयी, यदि समय से इलाज हो जाता तो बच्ची बच जाती।

डिप्टी सीएम के साथ चल रहे सूबे के पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता ने मृतका के परिजन से कहा कि-बेटा कसम खाओ तो..कि तुम सच बोल रहे हो। हालांकि आज बुलडोजर एक्शन के बाद मुजफ्फरपुर में 11 साल की छात्रा से रेप करने के आरोपी मुकेश राय ने गुरुवार को सरेंडर कर दिया। बुलडोजर की कार्रवाई से घबराकर और पुलिस की दबिश के चलते उसने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। घर और ढाबे की कुर्की बुलडोजर से की गयी थी।

### बिहार प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों का तबादला

**पटना।** सरकार के अधिकारियों के तबादले का सिलसिला जारी है। बिहार प्रशासनिक सेवा के अपर सचिव, संयुक्त सचिव, अपर समाहर्ता, उप सचिव और इन सभी पदों के समकक्ष स्तर के 16 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी किए गए इस अधिसूचना में लिखा गया है कि उक्त पदाधिकारियों को धारित पद से स्थानान्तिरित किया जाता है और उन्हें अगले आदेश तक अधिसूचना में दिए गए स्थान पर पदस्थापित किया जाता है।

# चिप्स और कुरकुरे चोरी के आरोप में पांच मासूम बच्चों को नंगा कर घुमाया, वीडियो वायरल

♦ दुकानदार ने बच्चों की पिटाई भी कर दी और उनके चेहरे को चुना से जगह-जगह टीका लगा दिया

**केटी न्यूज/सीतामढ़ी**

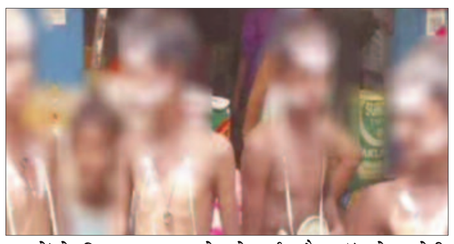

सीतामढ़ी जिले में कानून हाथ में लेने का मामला सामने आया है। चिप्स और चॉकलेट चुराने पर दुकानदार ने 5 बच्चों को ऐसी सजा दी। अब उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि केटी न्यूज नहीं करता है। वहीं दूसरीओर आरोपी दुकानदार पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार चिप्स और चॉकलेट दुकान से चोरी करने के आरोप में दुकानदार ने 5 बच्चों को नंगा कर दिया और पांचों के चेहरे पर चूना लगाने के बाद चप्पलों का माला पहना दिया। पांचों बच्चों को नंगा करके घुमाने का वीडियो सोशल मीडिया पर किसी ने अपलोड कर दिया और देखते ही देखते वह वीडियो वायरल हो गया। वायरल इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान हैं और ऐसे व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग कर रहे है। दुकानदार ने बताया कि पांचो बच्चों ने किराना दुकान से स्नेकर्स और चॉकलेट चोरी की है। यह पता नहीं कि कितने दिनों से उनके दुकान में चोरी की जा रही थी। आज उन्होंने इन पांचो बच्चों को चोरी करते रंगेहाथ पकड़ लिये। पकड़े गए पांचों बच्चे आसपास के गांव के बताए जा रहे हैं, उनकी बस इतनी भूल थी कि उन्होंने किराना दुकान से चॉकलेट और स्नैक्स खाने के लिए चुरा लिया था। जिसके बाद दुकानदार ने बेशर्मी की सारी सीमा पार कर दी और कानून को हाथ में लेकर पुलिस को सूचना देने के बजाय खुद सजा देने लगा फिर बच्चों को बीच सड़क पर नंगा कर जूते-चप्पल की माला पहनाकर इलाके में घुमाया। इस दौरान दुकानदार ने बच्चों की पिटाई भी कर दी और उनके चेहरे को चुना से जगह-जगह टीका लगा दिया। नाबालिग बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

### बोले नित्यानंद राय... कांग्रेस की गोद में जा बैठे लालू यादव

**पटना।** जैसे-जैसे बिहार चुनाव का समय नजदीक आ रहा, वैसे-वैसे ही पक्ष-विपक्ष के नेताओं का हमला एक-दूसरे पर बढ़ने लगा है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने गुरुवार दोपहर संपूर्ण क्रांति दिवस की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस के खिलाफ जेपी ने बिहार की धरती से संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। कांग्रेस ने देश के लोगों को भावनाओं के विरुद्ध देश में आपातकाल लगाकर जो काम किया था, उसके खिलाफ जेपी ने लोगों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल दिया था, युवा और छात्रों ने जेपी के नेतृत्व में ऐसा आंदोलन खड़ा किया कि कांग्रेस की सत्ता हिल गई।

पटना स्थित ज्ञान भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

# 2028 तक 17% ग्रीन कवर के लक्ष्य के साथ प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ नई मुहिम : डॉ. सुनील

**केटी न्यूज/पटना**

बिहार में हरित आवरण क्षेत्र में वृद्धि के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वर्तमान में 12.55 प्रतिशत वन क्षेत्र और 15.05 प्रतिशत हरित क्षेत्र है। अब हरित आवरण को 2028 तक 17 फीसदी करने का लक्ष्य तय किया गया है। यह बातें विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कही। यह कार्यक्रम पटना के ज्ञान भवन में गुरुवार को भी आयोजित किया गया था। मंत्री ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की सलाह देते हुए कहा कि इसे जीवन से दूर रखें।बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित इस कार्यक्रम का थीम ह्यबीट प्लास्टिक पॉल्यूशनह्ण रखा गया था। यहां विभागीय मंत्री ने प्लास्टिक के खतरे के प्रति लोगों को आगाह करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक को आम जिंदगी से दूर करना बेहद ही जरूरी है। उन्होंने हरियाली मिशन और वानिकी किसान योजना का भी जिक्र किया और कहा कि बिहार को इनका लाभ मिल रहा है। वर्ष 2012 में हरियाली मिशन की शुरूआत की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री पौधशाला योजना लाकर जीविका दीदियों के माध्यम से पूरे राज्य में नर्सरी खोली गई। कृषि रोडमैप के तहत वानिकी किसान योजना की भी शुरूआत हुई। इसके अंतर्गत किसान अपनी रैयती जमीन पर पौधे लगा सकते हैं। फिलहाल इस योजना का काफी बेहतर परिणाम देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही जल संरक्षण के लिए तालाबों को संरक्षित करने का भी उपाय किया गया है, जिसके परिणामस्वरुप जलस्तर में वृद्धि हुई है।विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को साझा प्रयास करना होगा क्योंकि पराली कहीं और जलती है और उसका दुष्प्रभाव कहीं और दिखता है। रोजमर्रा की जिंदगी में प्रयोग की जाने वाली 99 फीसदी वस्तुएं प्लास्टिक से बनी हैं। टूथब्रश से लेकर पेन तक सभी प्लास्टिक की हैं लिहाजा इसपर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने कोरोनाकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रकृति को सबसे अधिक परेशानी हम मानव जाति से ही है।बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास जारी है। उन्होंने प्लास्टिक यूज को बेहद खतरनाक बताया और कहा कि प्लास्टिक कैरी बैग का इस्तेमाल बंद करना होगा।

**पर्यावरण संरक्षण को लेकर इन्हें मिला पुरस्कार**

इस कार्यक्रम में मुंगेर के वासुदेवपुर में स्थापित आईटीसी लिमिटेड को उत्कृष्ट प्रदूषण नियंत्रण के लिए औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण सम्मान से सम्मानित किया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### गंगा दशहरा-राजमहल उत्तर वाहिनी गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

राजमहल, एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिले का राजमहल राज्य का एकमात्र शहर है, जहां गंगा नदी है। गंगा दशहरा के अवसर पर राजमहल से प्रवाहित होने वाले उत्तर वाहिनी गंगा में गुरुवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा स्नान करने और उत्तर वाहिनी गंगा में स्नान करने का विशेष महत्व है। इस कारण अहले सुबह से ही राजमहल के उत्तर वाहिनी गंगा घाट, सूर्य देव घाट, गुदारा घाट, संगत घाट, कालीघाट, बजरंग घाट, महाजन टोली घाट, कन्हैया स्थान घाट व नीमच्छी गंगा घाट में भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान राजमहल अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्र के अलावे संथाल परगना के विभिन्न इलाके दुमका, गोड्डा, लिट्टीपाड़ा, आमडापाड़ा, काठीकुंड, गोपीकांदर, बोआरीजोर, बोरियो, बरहरवा, बरहेट, सुंदर पहाड़ी, नोनीहाट सहित अन्य इलाके से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान एवं गंगा पूजन किया। आज गंगा तट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। लोग गंगा स्नान और गंगा पूजन के बाद स्थानीय मंदिरों में भी पूजा अर्चना कर रहे हैं। इधर, पूजन सामग्री और फलों की भी खूब बिक्री हो रही है। हालांकि, गंगा दशहरा के कारण इलाके में अत्यधिक वाहनों के प्रवेश होने की वजह से शहर में यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गयी है। गंगा दशहरा पर गंगा स्नान एवं गंगा पूजन के बाद मां गंगा को फल दान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के उपरांत आम फल और केला को विशेष रूप से मां गंगा को दान किया। गंगा दशहरा पर स्नान के उपरांत दान करने से जहां पापों से मुक्ति मिलती है। वहीं, मां गंगा अपने आशीर्वाद से आर्थिक मजबूती भी प्रदान करती हैं। इसलिए श्रद्धालुओं ने फल दान किया। मां गंगा से किये गये मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार गंगा तट पर करवाया। गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा तट पर मां गंगा के पूजन के बाद बच्चों का मुंडन संस्कार कराया गया। इस दौरान गंगा तट पर श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा भी की गयी और व्रत कथा सुना गया।

### धनबाद में डकैती की साजिश में शामिल गिरोह का झारखंड, बिहार व बंगाल तक फैला है नेटवर्क

धनबाद, एजेंसी। धनबाद स्थित माइक्रो फाइनेंस कंपनी, बैंक और आभूषण दुकानों में डकैती की योजना बना रहे शातिर अपराधियों के गिरफ्त में आने के बाद अब पुलिस इस अंतरराज्यीय गिरोह की गतिविधियों की गहराई से जांच-पड़ताल में जुट गयी है। सूचना के मुताबिक धनबाद पुलिस इस मामले में पटना(बिहार) से गिरफ्तार तीनों अपराधियों को रिमांड पर लेने की तैयारी में है। इसके लिए एक टीम गठित की जा रही है। साथ ही साइबर सेल की टीम गिरफ्तार अपराधियों के मोबाइल फोन व डिजिटल डाटा की जांच कर रही है। कॉल डिटेल व चैट हिस्ट्री से यह जानने की कोशिश हो रही है कि किन-किन लोगों से इन अपराधियों की नियमित बातचीत होती थी और किन जगहों पर गिरोह की संभावित सक्रियता हो सकती है। इधर, धनबाद पुलिस द्वारा बुधवार को गिरफ्तार अपराधियों प्रकाश कुमार (28 वर्ष), ऋषभ उर्फ लोकेश (26 वर्ष), करमजीत सिंह सिद्ध व अरमान अंसारी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि गिरोह का सरगना पुरुलिया(पश्चिम बंगाल) जेल में बंद ओमप्रकाश उर्फ गुड्डू ही नहीं, बल्कि उसके साथियों का नेटवर्क बिहार, बंगाल और झारखंड के कई जिलों में भी सक्रिय है। धनबाद और पटना से पकड़े गये सात अपराधियों से पूछताछ में यह साफ हुआ कि यह गिरोह लंबे समय से कई बड़े शहरों में बैंक और आभूषण दुकानों को निशाना बना चुका है। सूचना के मुताबिक अगस्त 2023 में पुरुलिया के सेनको गोल्ड ज्वेलरी शॉप से हुई लगभग 8 करोड़ की डकैती इसी गिरोह की करतूत थी। उस वारदात में भी ओमप्रकाश उर्फ गुड्डू ही मास्टरमाइंड था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अब इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए झारखंड और बिहार पुलिस के साथ-साथ बंगाल पुलिस की भी मदद ली जा रही है। गिरफ्तार करमजीत सिंह सिद्ध, जो इस गिरोह का अनुभवी सदस्य बताया जा रहा है, से पूछताछ के आधार पर कई ठिकानों पर छापेमारी की तैयारी की जा रही है।

# विश्व पर्यावरण दिवस : आदत में शामिल हो पर्यावरण की सुरक्षा, वरना ज़हर बन जायेगी आबो-हवा

धनबाद, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस। हर साल इस दिन को दुनिया पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संरक्षण के मकसद से मनाती है। इसकी शुरुआत वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गयी थी और पहली बार वर्ष 1974 में इसे मनाया गया था। पर्यावरण शब्द संस्कृत के परि (चारों ओर) व आवरण (घेराव) से मिलकर बना है। अर्थात् जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। भारतीय संस्कृति में भी पर्यावरण की रक्षा को धर्म और कर्तव्य का दर्जा दिया गया है। अथर्ववेद में पृथ्वी को स्वर्ग कहा गया है, पर विडंबना यह कि हम उसी स्वर्ग को नर्क में बदल रहे हैं। आज पेड़ धड़ल्ले से काटे जा रहे हैं। नदियां अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं और हवा में ज़हर घुलता जा रहा है। खासकर धनबाद जैसे इलाके में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां की हवा में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। हालांकि समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान चलता है, पर रफ्तार इतनी धीमी होती है कि कुछ होता नहीं। आम-अवाम की भागेदारी भी मजबूत नहीं। क्या है हकीकत और कैसे बदलेगी स्थिति, पढ़ें अशोक कुमार, मनोज रवानी व शोभित रंजन कि रिपोर्ट।

जीवन में रफ्तार का बड़ा ही महत्व है। इसे गति देने के लिए सड़कों का जाल बिछा, पर इसको लेकर बलिदान पेड़ों ने दिया। धनबाद-बरवाअड्डा मार्ग कभी हरा-भरा व छांव देने वाला रास्ता माना जाता था। दोनों ओर विशाल पेड़ इस सड़क की पहचान थे, पर रफ्तार जरूर बढ़ गयी। यह सड़क झारखंड की पहचान बन गयी, पर कभी शीतलता देने वाला यह इलाका कंक्रीट की भट्ठी बन कर रह गया। अगर सड़क निर्माण के साथ यहां पर फलदार व छायादार पेड़ों के पौधे लगाने का भी काम होता, तो शायद भविष्य सुखद रहता।

अब हर इलाके में विकास योजनाओं की भेंट चढ़ गये हैं बड़े और पुराने पेड़। नतीजा है कि अब पीपल और बरगद के पेड़ तलाशने पड़ते हैं। खास अवसरों या पूजा-पाठ के लिए पीपल के पेड़ तलाशते मिल जायेंगे लोग। जानकारों का कहना है कि अगर इनके पौधे नहीं लगे, तो इनका अस्तित्व मिट जायेगा।

शहर के विभिन्न हिस्सों में 60 से अधिक पौधा व फूल बेचने वाले फुटपाथी दुकानें हैं। यहां रोजाना खरीदारों की भीड़ उमड़ती है। इन दुकानों से हर माह करीब 30 लाख रुपये के पौधे बिकते हैं। यह आंकड़ा बीते वर्ष की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक है। दुकानदार कहते हैं कि शहर के लोगों के पास खुद की जमीन नहीं, पर उनके अंदर बागवानी की रुचि बढ़ी है। अधिकतर लोग वैसे पौधों की मांग करते हैं जो आक्सीजन की कमी दूर करते हैं।

शहर में पौधों की मांग तेजी से बढ़ रही है। सड़क किनारे लगी नर्सरियों व दुकानों में 18 से अधिक प्रकार के पौधे आसानी से मिल जाते हैं। इनमें सजावटी, फलदार, औषधीय, छायादार व इनडोर प्लांट्स प्रमुख हैं। सजावटी पौधों में मनी प्लांट, एरिका पाम, स्नेक प्लांट व बोनसाई लोकप्रिय हैं, जबकि आम, अमरूद, नींबू जैसे फलदार पौधों की भी खूब बिक्री होती है। तुलसी, एलोवेरा जैसे औषधीय पौधे भी लोग घरों में लगाना पसंद कर रहे हैं। पौधा विक्रेताओं के अनुसार, बरसात का मौसम शुरू होते ही बिक्री में और इजाफा हो जाता है। गार्डनिंग का शौक अब आम लोगों के बीच तेजी से पनप रहा है।

पेड़-पौधे न केवल विकास की भेंट चढ़ रहे, बल्कि हम और आप भी उन्हें मार रहे हैं। खास कर शहरी क्षेत्र के पेड़ों पर सैकड़ों कील मिल जायेंगे। पोस्टर और बैनर टांगने के लिए बिना सोचे हम पेड़ों में कील ठोक देते हैं। एक बार भी कोई नहीं सोचता कि पेड़ों में भी जान है। कीलों के कारण कई पेड़ सूख गये। पेड़ों की जड़ को कंक्रीट से भर देते हैं। एक बार भी कोई नहीं सोचता कि जो पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं, उन्हें हम जहर दे रहे। याद रहे ये मूक पेड़ भी हमसे सवाल करते हैं कि उनको मारने का हक किसने दिया।

### व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचायेंगे - डॉ ठाकुर

धनबाद, एजेंसी। कांग्रेस प्रदेश व्यापार एवं उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीके ठाकुर की उपस्थिति में धनबाद जिला कांग्रेस व्यापार एवं उद्योग कमेटी की बैठक बुधवार को धनबाद में हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने की। इस दौरान प्रदेश और जिला स्तर की राजनीतिक परिस्थिति पर चर्चा की गयी। जिलाध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने व्यापारी वर्ग के बीच कांग्रेस संगठन को अधिक प्रभावशाली बनाने, छोटे व मध्यम व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने और उनके समाधान के लिए प्रकोष्ठ की भूमिका को और अधिक सक्रिय करने के उपायों पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीके ठाकुर ने कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और राजनीतिक जागरूकता को संगठन की मजबूती का मूल आधार बताया। कहा कि कांग्रेस के सिद्धांतों व नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापार प्रकोष्ठ की भूमिका अहम है। बैठक में निर्णय लिया गया कि व्यापारियों की समस्याओं को पार्टी मंच से सरकार तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जायेगा।

## देवघर पहुंची ऊर्जा विभाग की टीम, बाबा मंदिर परिसर का लिया जायजा, कई जगहों का किया निरीक्षण

देवघर, एजेंसी। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में राजकीय श्रावणी मेला और महामहिम राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गयी हैं। इस बार मंदिर परिसर की विद्युत व्यवस्था को स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि झारखंड ऊर्जा विभाग की निगरानी में दुरुस्त किया जायेगा। बुधवार को रांची से पहुंची ऊर्जा विभाग की तकनीकी टीम ने बाबा मंदिर, फुटओवर ब्रिज, क्यू कॉम्प्लेक्स सहित बिजली से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

इस दौरान टीम ने मंदिर के बिजली प्रभारी चंदन राउत से आपूर्ति, वैकल्पिक व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े तमाम बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी ली। टीम का लक्ष्य है कि इस बार बिजली से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या या खतरे की आशंका को पूरी तरह से शून्य कर दिया जाये। जानकारी हो कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 11 जून को बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी।

इधर, निरीक्षण के दौरान ओवरब्रिज की वायरिंग को दुरुस्त करने, बेहतर लाइटिंग, अलार्म सिस्टम लगाने के साथ ही मंदिर में कम रोशनी वाले स्थानों में विशेष प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया गया। इसके साथ ही एसी सिस्टम की वर्तमान स्थिति का भी आकलन किया गया। 11 जुलाई से भव्य राजकीय श्रावणी मेला का आगाज होगा।

मालूम हो कि रांची से देवघर पहुंची ऊर्जा विभाग की टीम दो से तीन दिनों के अंदर डीपीआर तैयार कर मंदिर प्रशासन को सौंपेगी। इसके बाद विद्युत कार्य की शुरुआत की जायेगी। प्रशासनिक स्तर पर प्रयास है कि भक्तों को असुविधा न हो और राष्ट्रपति आगमन के दौरान भी सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें।

## ऑनलाइन प्लेटफार्म पर काम करने वालों की हो गई बल्ले-बल्ले! हेमंत सरकार ने कैबिनेट बैठक में लिए कई अहम फैसले

रांची, एजेंसी। राज्य कैबिनेट ने झारखंड प्लेटफार्म आधारित गिग वर्कर्स निबंधन और कल्याण विधेयक 2025 को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इसके साथ ही ऑनलाइन प्लेटफार्म के सहारे काम करनेवाले कर्मियों के कल्याण के लिए एक कल्याण बोर्ड और कल्याण कोष की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। ऐसे कर्मियों में कुरियर ब्वाय, टैक्सी ड्राइवर आदि को भी शामिल किया जा सकेगा। विधानसभा के अगले सत्र में इस विधेयक को पास कराने की तैयारी की जा रही है।

इसके साथ ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर दिनरात काम करनेवाले कामगारों के सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। कैबिनेट ने यह भी निर्णय किया है कि नगर निकायों में काम करनेवाले संवेदकों को स्थानीय स्तर पर जीएसटी का निबंधन होना अनिवार्य होगा। इससे जीएसटी की राशि राज्य के कोषागार में ही जमा होगी।

राज्य कैबिनेट ने झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार को राजनैतिक हस्तक्षेप से मुक्त कराने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। कैबिनेट ने तय किया है कि इसमें विभाग के सचिव पदेन अध्यक्ष होंगे और खान निदेशक पदेन प्रबंध निदेशक होंगे।

राज्य सरकार ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पदों के पुनर्गठन का निर्णय लिया है। कैबिनेट ने इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसके तहत विभाग के 506 पदों को विलोपित करते हुए 36 नए पद सृजित किए गए हैं। इस फैसले से राज्य सरकार के 24 करोड़ रुपये की बचत होगी।

पाकुड़ - बरहरवा मुख्य पथ से पालो गगन पहाड़ी पश्चिम बंगाल बार्डर तक पथ को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण के लिए 40.39 करोड़ की स्वीकृति।

अब खान निदेशक का क्षेत्राधिकार संपूर्ण झारखंड होगा। इसी प्रकार विभाग के अपर निदेशक का क्षेत्राधिकारी भी संपूर्ण झारखंड होगा। खान उपनिदेशक एवं सहायक खनन पदाधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के अंदर काम कर सकेंगे। गढ़वा शहरी जलापूर्ति योजना के सुदृढ़ीकरण के लिए 59.71 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित प्राक्कलन को तकनीकी स्वीकृति।

मनोनयन के आधार पर राज्य रजिस्ट्रार और एनरोलमेंट एजेंसी अर्थात सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग एवं सीएससी-एसपीवी के मध्यम सरकारी परिसरों में आधार स्थाई पंजीकरण केंद्र की स्थापना के लिए एकरारनामा प्रारूप की स्वीकृति।

नवनिर्मित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, बोकारो एवं गोड्डा में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के मापदंड के आलोक में शिक्षकों एवं आवश्यकतानुसार शिक्षकेत्तर कर्मियों के पद सृजन की स्वीकृति। यहां शिक्षकों के कुल पद 85-85 होंगे और शिक्षेत्तर कर्मियों की संख्या 125-125 होगी। इस योजना पर 41.81 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

## विस्थापित महिलाओं द्वारा उपजाए मशरूम का स्वाद चख रहा एनटीपीसी परिवार!

हजारीबाग, एजेंसी। जिला का बड़कागांव कोल उत्खनन और विस्थापन की समस्या को लेकर पूरे राज्य भर में सुर्खियों में रहता है। लेकिन इस बार विस्थापित महिलाओं ने अपनी मेहनत से एक नई इबारत लिखी है। दरअसल, एनटीपीसी बड़कागांव में कोयला उत्खनन का काम कर रहा है। कोयला उत्खनन के कारण जमीन का अधिग्रहण किया गया। जिससे कई लोग बेघर हो गए। एनटीपीसी ने सरकारी प्रावधान के अनुसार उन्हें मुआवजा दी।

इसके साथ ही वैसी महिला जो रोजगार से जुड़ना चाह उन्हें विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया गया। इसी कड़ी में लगभग 40 महिलाओं के समूह को मशरूम की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। अब महिलाएं मशरूम की खेती कर पहले पूंजी बनाने का काम कर रही हैं ताकि बड़े स्केल पर व्यवसाय किया जा सके।

मशरूम की खेती अब सामान्य सी बात हो गई है। मशरूम की खेती कर पूंजी बनाना और फिर दूसरे व्यवसाय भी साथ में करना यह खास बात हो जाती है। ऐसा ही कुछ बड़कागांव में देखने को मिल रहा है। जहां विस्थापित महिलाएं मशरूम उत्पादन करने का प्रशिक्षण लेकर इसका खेती करना भी शुरू कर दी है।

एनटीपीसी पकड़ी बरवाडी कोल खनन परियोजना के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। अब ये विस्थापित महिलाएं भारी मात्रा में मशरूम की खेती कर रही हैं। साथ ही इसका व्यवसाय कैसे किया जाए इस पर जोर दिया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि पहले पूंजी बनाने का काम किया जाएगा और इसके बाद लाभ का बंटवारा होगा। मशरूम के जरिए दूसरे व्यवसाय करने की तैयारी चल रही है। मशरूम की खेती की प्रशिक्षण देने वाली महिला भी बताती हैं कि एनटीपीसी महिला सशक्तिकरण के लिए कई तरह का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में वैसी महिलाएं जो विस्थापित हो गई थीं और रोजगार करना चाहती थीं उन्हें सामूहिक रूप से कई तरह का प्रशिक्षण दिया गया।

इसी कड़ी में मशरूम की खेती का भी प्रशिक्षण महिलाओं को दिया गया है। महिलाएं आर्थिक रूप से संपन्न हो रही है। महिलाएं सामूहिक रूप से मशरूम की खेती कर रही हैं। अधिकतर मशरूम एनटीपीसी में काम करने वाले कर्मी ही खरीद लेते हैं। ऐसे में एक तैयार बाजार भी मिल रहा है। अब कोशिश की जा रही है कि हजारीबाग की बाजार में भी मशरूम उपलब्ध कराया जाए। हजारीबाग में विस्थापित महिलाएं रोजगार से जुड़ रही हैं ताकि अपने और अपने परिवार का भरण पोषण में मदद कर सकें। जो आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को भी पूरा कर रहा है।

## चांडिल में झुंड से बिछड़े नर हाथी की मौत, खेत में मिला शव, वन विभाग को दी गयी सूचना

चांडिल, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिला के नीमडीह थाना अंतर्गत तिल्ला पंचायत के आमडाबेड़ा गांव में झुंड से बिछड़े एक दो दांत वाले जंगली हाथी की मौत हो गई। गुरुवार की सुबह जब ग्रामीण किसान अपने खेत पर जा रहे थे, तभी देखा कि एक हाथी खेत पर लेटा हुआ है। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना नीमडीह पुलिस, स्थानीय प्रतिनिधि और वन विभाग को दी।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम चांडिल से आमडाबेड़ा गांव के लिए रवाना हो चुकी है। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इधर, घटना की सूचना पर आसपास के काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ गई है। मालूम हो कि झुंड से बिछड़ा जंगली हाथी आमडाबेड़ा, होदागोड़ा, कुशपुतुल, बाना, सीमा, गुंडा आदि में भ्रमण किया करता था।

वहीं, सूचना मिलते ही चांडिल के वन क्षेत्र पदाधिकारी शशि रंजन वनकर्मियों के साथ आमडाबेड़ा के लिए रवाना हो गये। इस संबंध में वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि एक नर हाथी की मौत की सूचना मिली है। हाथी की मौत कैसे और किस परिस्थिति में हुई, इसकी सही जानकारी पोस्टमॉर्टम के बाद ही मिल पाएगी।

उन्होंने बताया कि हाथी की मौत की सूचना चिकित्सक को दे दी गयी है। चिकित्सक पोस्टमॉर्टम करने के लिए आमडाबेड़ा पहुंचने वाले हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 18 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। मृत हाथी उसी झुंड से बिछड़ गया था।

## झारखंड के सरकारी स्कूलों में डिजिटल एजुकेशन की बड़ी पहल: 405 मॉडल स्कूलों में तकनीकी प्रशिक्षण शुरू

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार अब सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है। राज्य के 325 आदर्श विद्यालयों और 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण, स्मार्ट और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने राजधानी रांची में भाषा समन्वयकों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया है।

### बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करने का प्रयास

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में डिजिटल संसाधनों के समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें राज्य भर से आए लैंग्वेज कोऑर्डिनेटर को एक विशेष सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसे पहले चरण में लगभग 450 स्कूलों में अपलोड किया गया है। इसका उद्देश्य है कि ये कोऑर्डिनेटर बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी डिजिटल टूल्स के प्रभावी इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित कर सकें। परियोजना के तहत इन कोऑर्डिनेटर्स को आधुनिक तकनीक और डिजिटल शिक्षण विधियों की जानकारी दी जा रही है ताकि वे शिक्षकों को सहायता प्रदान कर सकें और कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, इंटरेक्टिव और विद्यार्थी केंद्रित बनाया जा सके। यह सॉफ्टवेयर न केवल भाषा शिक्षा में मदद करेगा, बल्कि इसके जरिए शिक्षक भी अपनी कक्षाओं को अधिक रोचक और तकनीकी रूप से समृद्ध बना सकेंगे।

स्कूलों को मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना झारखंड सरकार ने 325 आदर्श विद्यालय और 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों को एक मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है, जो राज्य भर के अन्य सरकारी स्कूलों के लिए उदाहरण बन सकेंगे। इन स्कूलों में प्रोजेक्ट मैनेजर और कोऑर्डिनेटर की नियुक्ति कॉन्ट्रैक्ट आधार पर की जा रही है। राज्य सरकार का मानना है कि यदि सरकारी स्कूलों को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाया जाए, तो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी।

अन्य स्कूलों में भी यह मॉडल लागू किया जा सकता है

यह पहल न केवल शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में राज्य का बड़ा कदम है, बल्कि यह भी संकेत है कि सरकारी स्कूल अब केवल पारंपरिक पद्धतियों पर निर्भर नहीं रहेंगे। आने वाले समय में यदि यह मॉडल सफल होता है तो इसे अन्य स्कूलों में भी लागू किया जा सकता है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के अधिकारियों के अनुसार, यह प्रशिक्षण सत्र आगे भी चरणबद्ध रूप से चलता रहेगा ताकि अधिक से अधिक स्कूलों को इस तकनीकी पहल से जोड़ा जा सके। राज्य सरकार की मंशा है कि झारखंड के हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण और समकालीन शिक्षा मिले, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न आता हो।

### आइआइटी आइएसएम में शुरू होगा विशेष जीआइएएन कोर्स

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम आगामी 23 से 29 जून तक 'इनवर्स मेथड्स और मशीन लर्निंग-जियोसाइंस में अनुप्रयोग' विषय पर एक सप्ताह भर चलने वाला ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडेमिक नेटवर्क्स कोर्स आयोजित करने जा रहा है। यह कोर्स संस्थान के एक्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर में होगा। इस पाठ्यक्रम के राष्ट्रीय फैकल्टी और कोर्स को-ऑर्डिनेटर एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ एस मैती बनाये गये हैं। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, ऑस्टिन से प्रख्यात जियोफिजिसिस्ट प्रोफेसर मृणाल के सेन विदेशी फैकल्टी होंगे। कोर्स में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, केस स्टडी और लाइव प्रोजेक्ट्स भी शामिल होंगे। इसमें 50 सीटें हैं। इच्छुक प्रतिभागियों को 16 जून, 2025 तक पंजीकरण करना होगा। आइआइटी आइएसएम के गणित एवं संगणना विभाग की ओर से आगामी 23 से 27 जून तक सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट पर आधारित लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जायेगा। यह प्रशिक्षण संस्थान के एक्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर में होगा। इसका उद्देश्य वरिष्ठ प्रबंधकों, इंजीनियरों, उद्यमियों, सरकारी प्रशासकों, खनन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों व शोधकर्ताओं को सिक्स सिग्मा की वैज्ञानिक विधियों से परिचित कराना है।

## सुभाषितम्

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

# जश्न का मातम में बदल जाना सवाल जिम्मेदारी का

बेंगलुरु एक ऐसा शहर जो पढ़ने-लिखने वालों के लिए केंद्र-बिंदु और देश का सबसे बड़ा आईटी इंडस्ट्री हब है। यहां भगदड़ की घटना हो जाना कोई सामान्य बात नहीं कही जा सकती है। इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच होनी ही चाहिए और तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। दरअसल जब-जब इस प्रकार के हादसे होते हैं, तब-तब इसी तरह की बातें सामने आती हैं। आगे से इस तरह का कोई और हादसा न हो इसके लिए सरकारें प्रतिबद्ध दिखती हैं। बावजूद इसके हादसा होकर रहता है और सारे इंतजाम ढाक के तीन पात साबित हो जाते हैं। जहां तक बेंगलुरु हादसे का सवाल है तो इसमें कोई शक नहीं कि देश-विदेश में क्रिकेट को लेकर एक अलग दीवानगी है, लेकिन जीत के जश्न के लिए एकत्र हुए लोग अपना भला-बुरा ही भूल गए हों, ऐसा भी नहीं हो सकता है। जरा सोच कर देखें कि जिस स्टेडियम में 45 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था हो वहां चार से पांच लाख के करीब लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो क्या होगा? यह दृष्य किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बताया जा रहा है कि लोगों की भीड़ किसी भी तरह से बस स्टेडियम के अंदर जाने पर आमादा थी। एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश में लगे लोग सिर्फ और सिर्फ मौत को निमंत्रण देने का कार्य कर रहे थे। नतीजे में ऐसा कुछ घटित हुआ कि अचानक भगदड़ मच गई और हृदय विदारक मौतों का अनचाहा वीभत्स मंजर आंखों को धुंधलाता हुआ सामने आ गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ कि आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी है और यह कैसे तय किया जाए? हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत देश के अनेक नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस हादसे में जो घायल हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं की गईं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने मुआवजे और राहत राशि का भी ऐलान कर दिया। अब विचारवानों द्वारा बताया जा रहा है कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए। यहां बताते चलें कि जीत की खुशी के दिन बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका सुबह से ही उल्लास और उमंग से भरा हुआ था। आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी की ऐतिहासिक जीत के बाद हजारों प्रशंसक जश्न में डूबे हुए थे। लेकिन दोपहर होते-होते यह उत्सव मातम में बदल गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसने सवाल खड़ा किया कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी है? यह पहली बार नहीं है कि किसी भीड़-भाड़ वाले आयोजन में अव्यवस्था ने निर्दोष लोगों की जान लेने का काम किया हो। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या घनत्व अत्याधिक है और प्रशासनिक तैयारियां अक्सर आखिरी क्षणों पर की जाती हैं, वहां ऐसे हादसे दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन चौंकाने वाले नहीं माने जाते हैं। फिर चाहे वह प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ वाली दुखद घटना रही हो, या फिर जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ हुई हो या अब बेंगलुरु का यह हादसा, सभी में कहीं न कहीं एक समान लापरवाही की परतें ही खुलती नजर आती हैं। बहरहाल आरसीबी की जीत के बाद जश्न के आयोजन को लेकर जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है उसके मुताबिक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और एक इवेंट कंपनी द्वारा इस आयोजन को किया गया था। हैरानी वाला दावा यह है कि इसके लिए न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राज्य सरकार ने आयोजन की अनुमति को लेकर स्पष्टता दिखाई। इसलिए यह मामला और भी ज्याद जटिल होता जा रहा है। यहां कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब-तलब कर लिया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने तो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत केएससीए अधिकारियों और इवेंट कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से मामला दर्ज करने की मांग कर दी है। वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हुए हैं।

## चिंतन-मनन

### दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

# अवांछित तत्वों के कारण असुरक्षित होता यातायात

- निर्मल रानी

हमारे देश में रेलगाड़ियों व बसों को आम यात्रियों के मुख्य यातायात के साधन के रूप में देखा जाता है। देश के अधिकांश यात्री एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिये प्रायः इन्हीं साधनों का इस्तेमाल करते हैं। केंद्र सरकार जहाँ यात्रियों की सुविधाओं के लिये समय समय पर नई,आधुनिक व तीव्र गामी रेलगाड़ियां संचालित करती रहती है वहीं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भी जनता की सुविधा के लिये बसों के नये बेड़े शामिल करने की खबरें आती रहती हैं। परन्तु यात्रियों के आवागमन को सुचारु बनाने की इन कोशिशों के बीच सरकार का ध्यान शायद यात्रियों व उनके सामानों की सुरक्षा पर नहीं पहुँच पाता। यह त्रासदी भी केवल सामान्य, मेल-एक्सप्रेस ट्रेन्स व सामान्य बसों की ही है, जबकि वनदे भारत व शताब्दी जैसी रेलगाड़ियां व वाल्वो सेवा जैसी अन्य मंहगी बस सेवाओं में बेशक यात्रियों की सुरक्षा काफी हद तक बनी रहती है। अधिक किराया वसूलने वाले यातायात के इन माध्यमों में अवांछित लोगों को घुसने ही नहीं दिया जाता। जबकि ठीक इसके विपरीत सामान्य व मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में व सरकारी व गैर सरकारी निजी बसों में कोई भी व्यक्ति किसी भी रूप में घुस सकता है और वह अपनी मर्जी के मुताबिक यात्रियों की चिंताओं को बढ़ा सकता है या उन्हें परेशानी में डाल सकता है।

यदि हम ट्रेन की बात करें तो भीख मांगने वालों से लेकर भगवा वस्त्र धारण किये लाखों लोग रोजाना बिना टिकट के ट्रेन्स में यात्रा करते हैं। गोया इन्होंने भगवा वस्त्र को ट्रेन यात्रा का फ्री पास समझ रखा है। यह केवल यात्रा ही नहीं करते बल्कि टिकटधारी यात्रियों के लिये बड़ी सिरदर्दी का कारक भी बनते हैं। चलती ट्रेन में गेट पर बैठे रहना तो गोया इनकी आदत में शामिल है ही, इसके अलावा ट्रेन में बीड़ी सिगरेट यहाँ तक कि शराब भी पीते हैं,वाशरूम में गंदगी फैलाते हैं। कोई इन्हें रोकने टोकने वाला नहीं। यदि कोई यात्री इनकी हरकतों पर इन्हें टोके तो यह अवांछित यात्री उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाते हैं। इसी तरह भिखारी, हिजड़े, अनधिकृत वेंडर्स आदि सभी को मुफ़्त रेल यात्रा की खुली छूट मिली हुई है। कोई कान फोड़ू गीत संगीत सुनाकर पैसे वसूलता है तो कोई हिजड़ा मुंह पर तालियां ठोक कर पैसे मांगता है। पैसे न देने पर तो यह किसी किसी यात्रियों को थप्पड़ भी जड़ देते हैं। यदि आप यू पी और बिहार की ओर ट्रेन यात्रा करें तो इस रुट पर भी अनेक महिलाएं व हिजड़े पैसे मांगते नजर आ जायेंगे। इसी तरह ट्रेन में कोई व्यक्ति किसी जवान लड़की को साथ लेकर उस लड़की के ब्याह के लिये कन्यादान के रूप में पैसे वसूलने को अपना धंधा बनाये हुए है तो कोई नकली अँधा व अपाहिज बनकर पैसे मांगता फिरता है तो कोई झाड़ू लेकर सफ़ाई करने के बहाने यात्रियों से पैसे मांगता है। और इन्हीं अवांछित तत्वों में से कोई भी नजर बचते ही किसी यात्री का सामान लेकर चंपत हो जाता है। तो कोई किसी यात्री को जहरखुरानी का शिकार बनाकर उसका सामान भी लूट ले जाता है और उसकी जेबें भी खाली कर जाता है। इसतरह के अवांछित नेटवर्क से जुड़े अधिकांश लोग नशे के आदी होते हैं और यात्रियों से पैसे लूट या वसूलकर जुआ व नशे जैसे व्यसन करते हैं। देश के अनेक बड़े व माध्यम श्रेणी के रेल स्टेशंस पर इन्हें सक्रिय देखा जा सकता है। परन्तु आश्चर्य है कि आम लोगों को तो यह सब नजर आता है परन्तु सरकार व रेल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित अमले को यह सब दिखाई नहीं देता ? हद तो यह है कि टिकट निरीक्षक जोकि आम इज्जतदार यात्रियों के पास किसी कारणवश टिकट न होने या उपयुक्त टिकट न होने पर उसे अपमानित करने पर उतारू हो जाता है या उसपर जुमार्ना ठोक देता है अथवा ट्रेन से नीचे उतरने हेतु उसे बाध्य कर देता है उस टिकट निरीक्षक को भी बेटिकट यात्रा करने व यात्रियों की सुरक्षा हेतु खतरा बनने वाले ऐसे संदिग्ध व अवांछित तत्व नजर नहीं आते ? इसी तरह बसों में भी जहाँ कुछ मेहनतकश लोग पानी, ठंडा,नारियल, कंघी आदि दैनिक उपभोग या खाने पीने की अनेक सामग्रियां बेचकर अपना पेट पालते हैं वहीं इसमें भी कई भिखारी यात्रियों के सर पर कहीं डफली बजाकर पैसे वसूलता है तो कहीं कोई हिजड़ा बसों में घुसकर मुफ़्त यात्रा करते करते लोगों से तालियां बजा बजाकर पैसे मांगता है। यदि आप चंडीगढ़ रुट पर बसों में यात्रा करें तो यह दृश्य आपको अनेक सरकारी व निजी बसों में देखने को मिलेगा। आश्चर्य है कि ड्राइवर कंडक्टर भी इन्हें नीचे नहीं उतारते। धप्पर टोल पर तो कभी कभी हिजड़ों का पूरा झुण्ड सभी लेन्स पर डटकर खड़ा हो जाता है और बसों ही नहीं बल्कि कारों के भी शीशे पीट पीटकर शीशा खोलने को विवश करता है और पैसे वसूलता है। इस तरह के अवांछित लोगों से व इनकी हरकतों से सभी वाकिफ हैं परन्तु न ही इन्हें कोई नियंत्रित करने वाला है न ही किसी को यात्रियों की सुरक्षा व मान सम्मान की चिंता है। यही वजह है कि इनकी न केवल संख्या बढ़ती जा रही है बल्कि इनके हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं। सरकार की ओर से देश की छवि चमकाने की तरह तरह की बातें की जाती हैं। कभी विश्व गुरु बनने का डंका पीटा जाता है तो कभी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देने का दावा करने वाली इसी सरकार द्वारा ही भारत के विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने की बातें की जाती हैं। परन्तु हक़ीकत तो यही है कि आज भी इस देश में आम यात्री ट्रेन व बसों में सुरक्षित नहीं है। वह बेफ़िक्र होकर अपनी यात्रा नहीं कर सकता। कहना गलत नहीं होगा कि अवांछित तत्वों तथा सरकार द्वारा इनकी अनदेखी किये जाने के कारण देश की सामान्य यातायात व्यवस्था पूरी तरह से असुरक्षित है।

# आदिवासियत का विस्तार है गांधी का ग्राम स्वराज

- सुधीर पाल

जब महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की बात की थी, तो उनका सपना केवल प्रशासन के विकेंद्रीकरण तक सीमित नहीं था। वे एक ऐसी ग्राम-व्यवस्था की परिकल्पना कर रहे थे, जहाँ सत्ता, संस्कृति और समाज की जड़ें गहराई तक मिट्टी से जुड़ी हों। जहाँ आत्मनिर्भरता जीवन का मूलमंत्र हो, सामाजिक न्याय व्यवहार का आधार बने और लोकतंत्र का स्वरूप सबसे नीचे से शुरू होकर ऊपर तक विस्तृत हो। गांधी के लिए ग्राम स्वराज सत्ता का ढाँचा नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन-दर्शन था। वे चाहते थे कि भारत का हर गाँव एक स्वतंत्र गणराज्य की तरह कार्य करे—जहाँ हर नागरिक का मत मायने रखे, हर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सामूहिक सहयोग और स्वाभिमान से कर सके, और हर गाँव अपने संसाधनों, संस्कृति और निर्णयों में आत्मनिर्भर हो।

परंतु जब हम भारत के आदिवासी बहुल इलाकों की तरफ देखते हैं—झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की पहाड़ियों की ओर—तो पाते हैं कि गांधी जिस आदर्श गाँव की बात कर रहे थे, वह यहाँ पहले से अस्तित्व में था। आदिवासी समाजों में ग्राम ही सर्वोच्च इकाई रही है। गाँव केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक इकाई होता है। इन समाजों में निर्णय ग्रामसभा द्वारा लिए जाते हैं, जहाँ सभी वयस्क पुरुष और महिलाएँ भाग लेते हैं। कोई भी बड़ा फैसला—जैसे कि विवाह का अनुमोदन, भूमि विवाद का निपटारा, या जंगल के उपयोग की अनुमति—ग्रामसभा के विचार-विमर्श और सामूहिक सहमति से होता है।

अर्थव्यवस्था भी यहाँ निजी स्वामित्व पर नहीं, बल्कि सामूहिक श्रम और साझी संपत्ति पर आधारित रही है। खेतों की जोताई, बीज बोने, फसल काटने और भंडारण तक की प्रक्रिया में पूरा गाँव सहभागी होता है। उत्पादन का वितरण भी सामूहिक होता है। जल, जंगल और जमीन को समाज की साझा संपत्ति माना जाता है, जिस पर हर व्यक्ति का समान हक होता है। कोई व्यक्ति या परिवार इन संसाधनों पर निजी स्वामित्व का दावा नहीं कर सकता। यह दृष्टिकोण गांधी की उस कल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने निजी संपत्ति की बजाय ट्रस्टीशिप का सिद्धांत दिया था।

संस्कृति आदिवासी समाजों की आत्मा है। यह कोई जड़ या बीते हुए समय की वस्तु नहीं, बल्कि आज भी जीवंत और क्रियाशील है। गीत, गाथाएँ, नृत्य, त्योहार और अनुष्ठान केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन, ज्ञान के संप्रेषण और सामूहिक चेतना के वाहक हैं। संस्कृति का यह जीवंत स्वरूप ग्राम समाज को एकजुट रखता है, नई पीढ़ी को मूल्य देता है और गाँव की स्मृति को पीढ़ियों तक संजोए रखता है। गांधी भी मानते थे कि किसी भी समाज की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है, और जब तक वह संस्कृति जीवित है, समाज की चेतना भी जीवित रहती है।

औपनिवेशिक शासन ने इस ग्राम स्वराज की आत्मा को खंडित करने का प्रयास किया। 1793 के स्थायी बंदोबस्त से लेकर 1865 के वन अधिनियम और फिर 1871 के आपराधिक जनजाति कानून तक, आदिवासी समाजों के सामूहिक ढांचे को विध्वंसित करने की कोशिशें होती रहीं। जंगलों पर से उनका अधिकार छीना गया, भूमि को राजस्व की वस्तु बना दिया गया और परंपरागत नेतृत्व को अवैध घोषित कर दिया गया। परंतु यह समूची प्रक्रिया ग्रामसभा और समाज की जड़ों को पूरी तरह मिटा नहीं सकी। वे मौन रहीं, किन्तु जीवित रहीं।

स्वतंत्र भारत में गांधी के ग्राम स्वराज का अनुवाद पंचायती राज व्यवस्था के रूप में हुआ। परंतु यह व्यवस्था गांधी की कल्पना से काफी भिन्न थी। इसमें सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है, जबकि गांधी चाहते थे कि निर्णय नीचे से ऊपर की ओर आएं। संविधान की पाँचवीं अनुसूची, 1996 का पेसा कानून और 2006 का वन अधिकार अधिनियम ऐसे प्रयास थे जो आदिवासी ग्राम स्वराज को वैधानिक मान्यता देते हैं, परंतु इनका क्रियान्वयन अभी तक अधूरा और इच्छाशक्ति से विहीन है। ग्रामसभा को केवल सलाहकार संस्था मान लिया गया, जबकि उसे विधायी शक्तियाँ मिलनी चाहिए थीं।

गांधी का ग्राम स्वराज केवल पंचायतों या चुनावों का ढाँचा नहीं था। उनके लिए यह एक दर्शन था—संपूर्णता का दर्शन। उनका कहना था—गाँव को ऐसा बनाना है कि वह स्वयं एक छोटा गणराज्य हो, जिसमें पूर्ण स्वराज्य की अनुभूति हो।

गांधी के ग्राम स्वराज के मूल तत्व—आत्मनिर्भरता, सामूहिकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, संवाद पर आधारित निर्णय और हिंसा से परहेज—ये सभी आदिवासी समाज की रचनात्मक बुनियाद में पहले से मौजूद हैं। इस संगति को पहचानना, गांधी के विचारों को नयी जमीन देना है—जो न केवल आदिवासी भारत को सम्मान देता है, बल्कि शेष भारत को भी एक नया मार्ग सुझाता है।

गांधी के ग्राम स्वराज के प्रमुख तत्व थेः

आत्मनिर्भरताः गाँव खुद अपने अनाज, कपड़े, शिक्षा, और बुनियादी जरूरतों की पूर्ति करे।

सामाजिक समरसताः जाति, लिंग, धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न हो।

अहिंसा और संवादः निर्णय सहमति और संवाद से हो, हिंसा और दमन से नहीं।

स्थानीय स्वशासनः सत्ता की संरचना नीचे से ऊपर बने, ऊपर से नीचे नहीं।

अब यदि हम इन तत्वों को आदिवासी समुदायों की परंपरा से जोड़ें, तो पाते हैं कि इनमें से कई बातें वहाँ पहले से विद्यमान थीं।

आज आवश्यकता है कि गांधी के ग्राम स्वराज के विचार को आदिवासी दृष्टिकोण से पुनः देखा जाए। विकास के मापदंडों को इन समाजों की सहजीविता, सामूहिकता और लोकशक्ति की कसौटी पर परखा जाए। ग्राम पंचायत की औपचारिकता से आगे बढ़कर ग्रामसभा की आत्मा को केंद्र में लाया जाए। यह केवल आदिवासी अधिकारों की बात नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को उसकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास है।

गांधी ने जो सपना देखा था, वह केवल एक वैचारिक अवधारणा नहीं थी। वह भारत की जमीनी हकीकत थी, जो आदिवासी समाजों में युगों से जिया जा रहा था। यह विडंबना है कि जिसे हमने सभ्यता से बाहर माना, वही हमें सभ्यता की मूल शिक्षा दे रहा था। अब समय आ गया है कि हम आदिवासी समाजों की परंपरा को केवल संरक्षण की दृष्टि से नहीं, बल्कि सीखने की दृष्टि से देखें।

ग्राम स्वराज कोई बीता हुआ सपना नहीं है। वह आज भी भारत की पहाड़ियों, जंगलों और गाँवों में साँस ले रहा है। गांधी का ग्राम स्वराज कोई जड़ दर्शन नहीं था; वह एक जीवंत, गतिशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध लोकतांत्रिक कल्पना थी। परंतु भारत ने इस सपने को राजनीतिक नारे में बदल दिया—न कि एक वैकल्पिक शासन व्यवस्था में। आज जब हम लोकतंत्र की जड़ों को फिर से खोजने का प्रयास कर रहे हैं, तब हमें गांधी के ग्राम स्वराज को आदिवासी नजरिये से समझने की जरूरत है—क्योंकि यही वह नजरिया है जो जमीन से जुड़ा है, लोक के साथ गूंथा हुआ है और सामूहिक चेतना से संचालित होता है।

# पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

- ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई- भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही।

## आज का राशिफल

**मेष** — आज दिन आर्थिक दृष्टि से प्रगतिशील हो सकता है। आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं।

**तुला** — करियर के मामले में लाभ का दिन है। करियर में नई दिशा और रफ्तार दोनों मिल सकती है।

**वृषभ** — पारिवारिक कार्य पर भारी व्यय हो सकता है, लेकिन इससे आपको सामाजिक प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

**वृश्चिक** — दिन तनावपूर्ण हो सकता है, लेकिन विवेक और रणनीति से स्थितियों को संभाला जा सकता है।

**मिथुन** — आज धन और करियर के लिहाज से दिन मिश्रित है। आर्थिक दृष्टि से कुछ हानिप्रद फैसले संभव हैं।

**धनु** — करियर की दृष्टि से लाभकारी है। अति-उत्साह में लिए गए निर्णय हानि का कारण बन सकते हैं।

**कर्क** — धन दोनों ही मामलों में मिश्रित अनुभव मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं।

**मकर** — पद प्रतिष्ठा में वृद्धि लाने वाला हो सकता है। जमीन से अप्रत्याशित लाभ देने वाला है।

**सिंह** — करियर में सफलता के योग बन रहे हैं। करियर में पदोन्नति और सफलता के संकेत दे रहा है।

**कुंभ** — गंभीर निर्णयों का संकेत दे रहा है। आय के नए स्रोतों का विकास संभव है।

**कन्या** — आर्थिक रूप से उन्नति का संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य में सुधार, ठप्प पड़े व्यापार में गति के योग बने हैं।

**मीन** — करियर दृष्टि से सकारात्मक रहने वाला है। आर्थिक स्थिरता प्रदान करेंगे।

## विशेष

### उमर की पार्टी में उमर का विरोध?

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का विरोध शुरू हो गया है। जिस तरीके से वह केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में खेल रहे हैं। उसको लेकर उन्हीं की पार्टी में उनका विरोध शुरू हो गया है। पार्टी के नेताओं ने उनके कामकाज को लेकर और नीतिगत मामले को लेकर आवाज उठाना शुरू कर दी है। नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा रोहिल्ला खान ने उमर अब्दुल्ला के कई फेसलों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उमर अब्दुल्ला पूर्ण राज्य की मांग पर भी चुप्पी साधकर बैठे हुए हैं। जिसके कारण जम्मू कश्मीर के कट्टरपंथी उग्र हो रहे हैं। सभी विपक्षी दल भी विरोध में आवाज उठा रहे हैं। सत्ता का सिंहासन मिल गया है, तो जम्मू कश्मीर को उमर अब्दुल्ला भूल गए हैं।

### अगले 22 साल में होगा दिल्ली का विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य बनाया है। 2047 में आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे। वह यह भी कह रहे हैं, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अगले 22 साल में भारत विकसित राष्ट्र होगा। कान कहीं से भी पकड़ो, 22 साल बाद विकसित राष्ट्र बनेगा,या नहीं, इसका फैसला होगा। 11 साल हो गए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। अभी तक देश की राजधानी दिल्ली विकसित नहीं हो पाई है। दिल्ली वैसे भी सपनों का शहर है। यहां हर कोई सपना देखता है। सपने सपने ही रहते हैं, कभी यथार्थ में नहीं बदलते हैं। दिल्ली के लिए 22 साल तो इंतजार करना ही होगा।

## कार्टून कोना

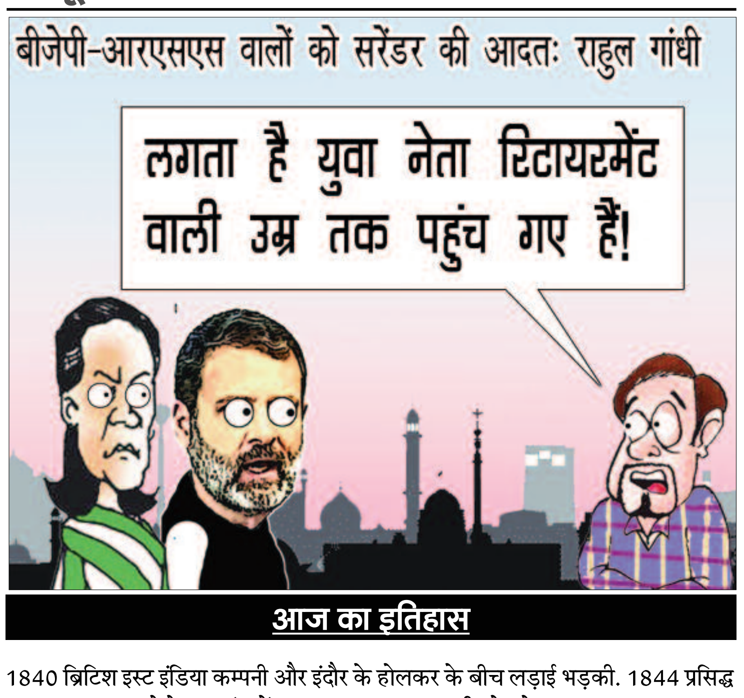


## आज का इतिहास

1840 ब्रिटिश इस्ट इंडिया कम्पनी और इंदौर के होलकर के बीच लड़ाई भड़की. 1844 प्रसिद्ध उपन्यासकार अनातोले का फ्रांस में जन्म हुआ. 1853 भारतीय रेलवे का उद्घाटन हुआ. 1889 अभिनेता, निर्देशक चार्ली चैपलिन का जन्म हुआ. 1897 निकोलाई लेनिन वर्षों निर्वासित रहने के बाद रूस लौटे. 1922 जर्मनी ने सोवियत संघ को एक महाशक्ति के रुप में मान्यता दी और उससे राजनायिक एवं व्यापारिक संबंध कायम किसे. 1947 नाईट्रेट लदे फ्रांसीसी मालवाहक में विस्फोट से टेक्सास सिटी में 500 से अधिक लोग मारे गये. 1960 अमेरिका और प्रशांत महासागर में केबल बिछाने का काम पूरा हुआ. 1970 फ्रांस ने हिमस्खलन से 72 लोगों की मृत्यु हुई. 1972 अमेरिका ने अपोलो 16 को अंतरिक्ष यात्रियों सहित प्रक्षेपित किया.

## दैनिक पंचांग

**6 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 05.54 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | कर्क | 08.07 बजे से |
| मंगल | कर्क में | सिंह | 10.23 बजे से |
| बुध | वृष में | कन्या | 12.35 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 14.46 बजे से |
| शुक्र | मेष में | वृश्चिक | 17.00 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 19.16 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मकर | 21.22 बजे से |
| केतु | सिंह में | कुंभ | 23.08 बजे से |
| | | मीन | 00.41 बजे से |
| राहुकाल | 10.30 से 12.00 बजे तक | मेष | 02.11 बजे से |
| | | वृष | 03.51 बजे से |

**शुक्रवार** 2025 वर्ष का 157 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 04.49 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 06.34 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 10.13 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 15.32 बजे तदनन्तर विष्टि 04.49 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 39'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872367
**जूलियन दिन** 2460832.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** जिल्हेज
**तारीख** 09
**विशेष** गायत्री जयंती, निर्जला एकादशी।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| चर | 05.55 से 07.23 बजे तक | रोग | 05.38 से 07.1 बजे तक |
| लाभ | 07.23 से 08.51 बजे तक | काल | 07.11 से 08.43 बजे तक |
| अमृत | 08.51 से 10.19 बजे तक | लाभ | 08.43 से 10.15 बजे तक |
| काल | 10.19 से 11.47 बजे तक | उद्वेग | 10.15 से 11.47 बजे तक |
| शुभ | 11.47 से 01.15 बजे तक | शुभ | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| रोग | 01.15 से 02.43 बजे तक | अमृत | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| उद्वेग | 02.43 से 04.10 बजे तक | चर | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| चर | 04.10 से 05.38 बजे तक | रोग | 04.23 से 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

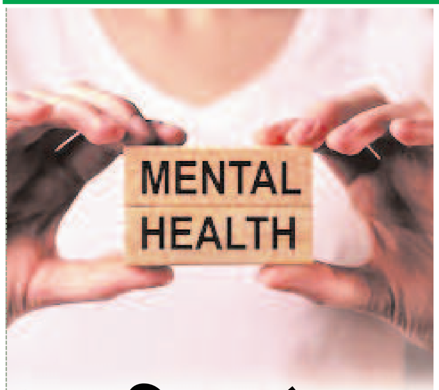


# इन टिप्स से रखें मेंटल हेल्थ का ख्याल

आजकल तनाव न चाहते हुए भी हम सभी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। स्ट्रेस का बुरा असर, हमारी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर होता है। अक्सर फिजिकल हेल्थ खराब होने पर जब इसके लक्षण नजर आते हैं, तो हम आसानी से इन्हें समझ लेते हैं और इसे ठीक करने की कोशिश में भी लग जाते हैं। लेकिन, मेंटल हेल्थ खराब होने पर इसके लक्षणों को हम या तो समझ नहीं पाते हैं या नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर महिलाएं अपनी मेंटल हेल्थ पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती हैं। तनाव और चिंता की वजह से अगर आपके चेहरे की मुस्कुराहट भी कहीं खो गई है, तो आपको अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है।

## मेंटल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

- एक्सपर्ट का कहना है कि मेंटल हेल्थ को सही रखने के लिए, डाइट बहुत जरूरी है। डाइट में पोषक तत्वों की कमी भी मेंटल हेल्थ पर असर डाल सकती है।
- अगर आप अधिक तनाव में हैं और इसकी वजह से आपका किसी काम में मन नहीं लग रहा है या आप हर वक्त परेशान रहती हैं, तो किसी से इस बारे में खुलकर बात जरूर करें।
- ओवरथिकिंग की वजह से भी मेंटल हेल्थ खराब होती है। इसलिए, किसी भी चीज या डर को लेकर, बहुत अधिक न सोचें वरना इसका असर आपकी सेहत पर हो सकता है।
- किसी बात को बार-बार सोचने से, स्ट्रेस और एंग्जायटी बढ़ने लगती है। इसकी वजह से सिरदर्द, शरीर में दर्द और घबराहट हो सकती है। इसलिए, ज्यादा न सोचें और मन को शांत रखने की कोशिश करें।
- एक्सरसाइज, मेडिटेशन और प्राणायाम भी मेंटल हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है। इसलिए, इसे रूटीन का हिस्सा जरूर बनाएं।
- जब आपको स्ट्रेस या एंग्जायटी महसूस हो, तो गहरी सांस लें और कुछ देर के लिए सारी चीजों पर से ध्यान हटाने की कोशिश करें।
- दिन में कुछ समय उन चीजों को जरूर दें, जो आपको खुशी देती हों।

# क्या है प्रेसबायोपिया? इसके लक्षण और कारण

## प्रेसबायोबिया आंखों से जुड़ी एक बीमारी जिसमें आंखों की करीब वस्तुओं पर फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है।

प्रेसबायोपिया आंखों से संबंधित एक विकार है। इस शब्द को ग्रीक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है बूढ़ी आंख, यह एक ऐसी स्थिति होती है जब आपकी धीरे-धीरे चीजों को करीब से स्पष्ट रूप से देखने की क्षमता खो देती है। इस स्थिति में नजदीकी वस्तुओं पर तेजी से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। आमतौर पर यह 40 से 45 साल की उम्र में शुरू होती है और समय के साथ बिगड़ती जाती है। यह बाकी उम्र से संबंधित दृष्टि समस्याओं जैसे अंधापन, हाइपरोपिया मायोपिया से अलग है। यह एक प्राकृतिक परिवर्तन है जो लगभग सभी लोगों को प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने हेल्थ एक्सपर्ट से बाती है।

### प्रेसबायोपिया के लक्षण

- छोटी लेखन सामग्री पढ़ने में कठिनाई होती है, खासकर अगर रोशनी बहुत कम है।
- जब आपको यह बीमारी होती है तो आप अपने स्मार्टफोन या किसी भी किताब, मेनू , लेबल को अधिक स्पष्ट रूप से देखने के लिए अपनी आंखों से दूर रखते हैं।
- कोई नजदीकी काम करते हैं या कुछ नजदीक रखकर पढ़ते हैं तो इसे सिर में दर्द और आंखों में तनाव होना।

### प्रेसबायोपिया के कारण

- आंखों की उम्र बढ़ाने की प्रक्रिया प्रेसबायोपिया की ओर ले जाती है।
- समय के साथ आंखों का आंतरिक लेंस लचीला नहीं रहता है, जिससे नजदीकी वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।
- उम्र के साथ लेंस को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियां कमजोर हो जाती है।
- यह अनुवांशिक भी हो सकती है। अगर आपके घर में माता-पिता या दादा- दादी कोप्रेसबायोपिया था तो आपको भी यह स्थिति होने की संभावना ज्यादा रहती है।
- डायबिटीज,उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारी सहित कई स्वास्थ्य स्थितियों में भीप्रेसबायोपिया हो सकता है।
- आंखों की चोट के कारण भी लेंस को नियंत्रित करने वाले मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है,इससे भी प्रेसबायोपिया हो सकता है।

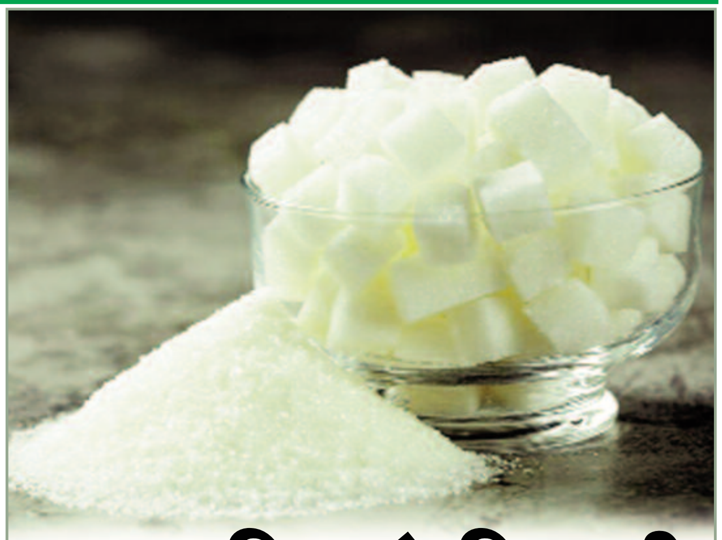

# एक दिन में कितनी चीनी खाना है सेफ?

चीनी...यह एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही मुंह में मिठास घुलने लगती है। चीनी जिस तरह से हर मिठाई, हलवे और खीर का स्वाद बढ़ाती है, उसी तरह से बीमारियों का खतरा भी बढ़ाती है। वजन बढ़ने से लेकर डायबिटीज तक, चीनी शरीर के लिए कई तरह से नुकसानदायक मानी जाती है। ऐसे में कई लोगों ने चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा दिया है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो चीनी को अपनी थाली से बिल्कुल नहीं निकाल पा रहे हैं और भरपूर मीठा खा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक दिन में कितना चीनी यानी शुगर का सेवन करना आपके लिए सेफ है।

अति किसी भी चीज की बुरी होती है, यह बात चीनी के सेवन के मामले में भी लागू होती है। डॉक्टर्स से लेकर हेल्थ एक्सपर्ट भी इस बात को मानते हैं कि व्हाइट शुगर सेहत के लिए कई तरह से हानिकारक होती है। अब इस बात पर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने भी मुहर लगा दी है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशियन ने कुछ समय पहले भारतीयों की डाइट को लेकर 17 गाइडलाइन्स की एक ज्वाइंट रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें से एक गाइडलाइन में भारतीयों को एक दिन में कितनी शुगर लेनी चाहिए, इसका जिक्र किया गया है।

## एक दिन में कितनी चीनी का सेवन करना चाहिए?

अगर एक सामान्य एडल्ट प्रति दिन 2000 कैलोरी लेता है और इसका 5 परसेंट यानी 25 ग्राम शुगर इन्टेक करता है तो वह हाई शुगर कहलाता है। अगर इसे सामान्य भाषा में समझें 20-25 ग्राम शुगर का एक दिन में सेवन किया जा सकता है।

संभव रहे तो चीनी को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना चाहिए। क्योंकि इसमें कैलोरी के अलावा किसी भी तरह के न्यूट्रिशियन शामिल नहीं होते हैं। कैलोरी शरीर के लिए तभी फायदेमंद होती है जब विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर के साथ ली जाए।

## डाइट से एडेड शुगर हटाना फायदेमंद!

रिपोर्ट के मुताबिक, एडेड शुगर को अपनी डाइट से पूरी तरह से हटा देना फायदेमंद होता है। एडेड शुगर में चीनी, गुड़, ग्लूकोज, फरूक्टोज, डेक्सट्रोज, शुगर सिरप आदि चीजें आती हैं। किसी भी चीज में शुगर को मिलाकर खाना सेहत के लिए किसी भी तरह से बेहतर नहीं होता है क्योंकि इससे शरीर में सिर्फ कैलोरी बढ़ती है। चीनी के बहुत सारे नुकसान होते हैं।

## क्या नेचुरल शुगर है सेफ?

रिपोर्ट में फलों और दूध में पाई जाने वाली शुगर को नेचुरल बताया है। फलों और खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से मौजूद रहने वाली शुगर को एक्सपर्ट भी सेफ मानते हैं. लेकिन सभी फलों और खाने की चीजों में मौजूद शुगर आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं होती है। मेडिकल बॉडी ने अपनी रिपोर्ट में गन्ने के जूस को सेहत के लिए हानिकारक माना है। गन्ने के जूस में शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह आपको बीमार कर सकती है। 100 द्रव्य के गन्ने के जूस में 15 ग्राम शुगर होती है, ऐसे में इसका अधिक सेवन आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। शरीर में अत्यधिक शुगर से कई बीमारियों को न्योता मिल सकता है।

रिपोर्ट में सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन पर भी ऐतराज जताया गया है. मेडिकल बॉडी का मानना है कि सॉफ्ट ड्रिंक्स में सिर्फ हाई शुगर कंटेंट होता और न्यूट्रिशियनल वेल्यू ना के बराबर होती हैं। ज्यादा सॉफ्ट ड्रिंक्स के सेवन से मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज, दांतों की समस्या और दिल की बीमारी भी हो सकती है। साथ ही सॉफ्ट ड्रिंक्स पानी और फ्रेश फरूट्स की जगह नहीं ले सकते हैं, ऐसे में उन्हें जितना हो सके इनका सेवन करने से बचना चाहिए। सॉफ्ट ड्रिंक्स की जगह छाछ, नींबू पानी, बिना चीनी वाले फरूट जूस और नारियल पानी के सेवन की सलाह दी गई है। जूस से ज्यादा फलों के सेवन पर भी जोर दिया है। रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है कि फरूट फाइबर और न्यूट्रियंट वेल्यू की वजह से ज्यादा सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

गाइडलाइन्स में भारतीयों की हेल्दी डाइट पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में हरी सब्जियों के अत्याधिक सेवन की बात की गई है और डाइट से प्रोसेस्ड फूड, पैक्ड जूस, सॉफ्ट ड्रिंक को हटाने की सलाह दी गई है। साथ ही चाय और कॉफी के सेवन को भी कम करने की बात की गई है, क्योंकि इसमें कैफीन होता है जो सेहत के लिए हानिकारक साबित साबित हो सकता है।

# पैरों के तलवे में होती है जलन इन टिप्स से मिलेगा आराम

क्या आपको भी पैरों के तलवे में जलन होती है, जलन के मारे काम करना भी मुश्किल हो जाता है तो हम आपको कुछ आजमाए हुए टिप्स बता रहे हैं जिससे आपको काफी आराम मिल सकता है। अक्सर लोगों को पैरों के तलवे में जलन की शिकायत होती है। यह एक असहज और परेशान करने वाली समस्या होती है, कई बार जलन के कारण नींद भी नहीं आती है और काम भी प्रभावित होता है। अगर आप भी इस स्थिति का सामना करते हैं तो हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको तलवे में जलन से राहत मिल सकती है।

### पैरों के तलवे में जलन क्यों होती है?

- पैरों की अत्यधिक गर्मी के कारण ऐसा हो सकता है। अगर आप लंबे वक्त तक जूते पहने रह सकते हैं तो इसके कारण तलवे में जलन हो सकती है।
- खराब रक्त प्रवाह के कारण भी पैरों के तलवे में जलन हो सकती है।
- शरीर में आयरन और विटामिन B12 की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है।

### पैरों के तलवे की जलन दूर करने के उपाय

- तलवे में अगर बहुत ज्यादा जलन होती है तो आप ठंडा पानी में 20 मिनट तक पैरों को डूबा कर रख सकते हैं। आप चाहे तो इसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डाल सकते हैं, इससे काफी आराम महसूस होगा।
- इसके अलावा आप तलवे में हो रही जलन को दूर करने के लिए तलवों की मालिश कर सकते हैं, मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और जलन में आराम मिलता है।
- अपने आहार में आयरन विटामिन B12 जैसे पोषक तत्व शामिल करें, इससे शरीर में खून बढ़ता है और रक्त प्रवाह को बनाए रखने में मदद मिलती है।
- तलवे के जलन को कम करने के लिए आप मेहंदी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रात के समय पैरों में मेहंदी लगा लें और सुबह उठकर धो लें इससे तलवे में ठंडक मिलती है।
- इसके अलावा आप पैरों में एलोवेरा और चंदन का लेप लगा सकते हैं। इन दोनों ही चीजों की तासीर ठंडी होती है। इसका पेस्ट बना ले और तलवे पर भी 20 मिनट तक लगा कर रखें, फिर साफ पानी से धो लें।
- अगर इन उपायों को आजमाने के बाद भी आपको राहत नहीं मिलती है तो आपको डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

# सर्दी और जुकाम की होगी छुट्टी अगर करेंगी इन हर्ब्स का सेवन

**यह मौसम ऐसा है जब हर दूसरे व्यक्ति का गला खराब होगा, जुकाम या खांसी होगी। ऐसे में कुछ हर्ब्स अपने पास जरूर रखें जो इससे राहत दिला सकती है। शरीर में दर्द, बुखार, ठंड लगना और नाक बंद होना यह एक आम समस्या है।**

ऐसे में बहुत से लोग तुरंत डॉक्टरों के पास भागते हैं और दवाइयों से इलाज लेते हैं। कई बार मौसमी सर्दी, जुकाम और खांसी के लिए इन दवाइयों को जरूरत भी नहीं होती है।

डॉक्टर जो दवाइयां हमें देते हैं वो एंटीबायोटिक्स होती हैं, जिनका प्रॉपर कोर्स पूरा करना बहुत जरूरी है। कुछ लोग इसे 1-2 बार खाकर ही छोड़ देते हैं और फिर बीमार पड़ने पर उन्हें लेने लगते हैं। यदि आप अक्सर एंटीबायोटिक्स लेते हैं, तो आपका शरीर एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध पैदा कर सकता है, जिससे एंटीबायोटिक्स कम प्रभावी हो सकते हैं। अब ऐसे में घरेलू उपचार की मदद ली जा सकती है। कुछ हर्ब्स ऐसी हैं जिनके सेवन से कोल्ड, फ्लू और कफ में बड़ा आराम मिल सकता है। सर्दियों में तो ये हर्ब्स आपके किचन में भी मौजूद होनी चाहिए, ताकि जब भी आपको सर्दी और जुकाम लगे तो आपको तुरंत आराम मिल सकता है। हां अगर आप कुछ हफ्तों के बाद भी बीमार महसूस करते हैं, तो अपने डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

### लहसुन

लहसुन में यौगिक एलिसिन होता है, जिसमें रोगाणुरोधी गुण हो सकते हैं। इसके एंटीवायरल गुण सर्दी के लक्षणों की गंभीरता कम हो सकती है। कुछ शोधों के अनुसार, यह आपको पहली बार में बीमार होने से बचाने में भी मदद कर सकता है। आप लहसुन को भूनकर खाने के साथ ले सकते हैं या फिर खाना बनाते वक्त इसे शामिल करें। लहसुन की तासीर गर्म होती है तो यह आपके शरीर को गर्माहट भी पहुंचाता है और पाचन तंत्र को भी बेहतर करता है।

### थाइम

थाइम में एंटीवायरल, एंटीबायोटिक, रोगाणुरोधी, डीकॉन्गेस्टेंट, एक्सपेक्टोरेंट कायाकल्प गुण होते हैं जो आपको सर्दी या फ्लू से लड़ने या कम करने में मदद करते हैं। थाइम प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत कर सकता है। इसकी चाय बनाकर उसका सेवन किया जा सकता है और आप इसमें अदरक भी डाल सकती हैं, ताकि आपके गले को भी राहत मिले। यह खांसी में आराम देगा और नेजल कंजेशन को भी खोलने में मदद करता है ।

### रोजमेरी

रोजमेरी एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो सदियों से सर्दी और गले की खराश से राहत दिलाने में उपयोग में लाई जाती है। इसके एंटी-वायरल और एंटी-माइक्रोबियल गुण सिरदर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में डालकर उबालने और भाप लेने से नाक और छाती के जमाव साफ हो सकता है। इसे चाय में डालकर पीने से आपको दर्द में भी आराम मिलेगा और खराश में भी कमी होगी है। यह सर्कुलेटरी सिस्टम को स्टीमुलेट करके ब्रेन में ब्लड फ्लो करने में हेल्प करता है।

### तुलसी

तुलसी एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो खांसी, जुकाम और फ्लू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती है। इसका सेवन करने का एक सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे सलाद, सूप और यहां तक कि दालों पर गार्निश के रूप में इस्तेमाल किया जाए। यह ब्रोंकाइटिस, इन्फ्लुएंजा और अस्थमा से राहत दिलाता है, वहीं इसकी पत्तियों को चबाने से सर्दी से राहत मिलती है।

## चीन सहित सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार ने भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़ी नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवालों से सामने आई है।

**प्रेस नोट 3 की नीतियां अब भी लागू–** साल 2020 में सरकार ने एफडीआई से संबंधित प्रेस नोट जारी किया था। इसके तहत सीमावर्ती देशों के निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए सरकार से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। यह भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। ये देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। इन देशों को एफडीआई प्रस्तावों के अनुसार जांच और परीक्षण की समान प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

एक सूत्र ने बताया कि प्रेस नोट 3 के जारी होने के बाद से एफडीआई नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि चीन के साथ एफडीआई प्रस्ताव में बदलाव किया गया है। वर्तमान में, प्रेस नोट 3 के तहत आवेदनों पर विचार करने के लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति है।

## भारत आ जाइए सर, मिलकर सेलिब्रेट करेंगे... देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने भगोड़े विजय माल्या से कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को 18 साल में पहली बार ट्रॉफी नसीब हुई है। इस जीत पर टीम के पूर्व मालिक और भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने पोस्ट किया। लेकिन अपनी इस पोस्ट के कारण वह सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने उन्हें भारत आने को कहा है ताकि मिलकर इस जीत को सेलिब्रेट किया जा सके।

माल्या पर कई बैंकों से लिए गए करीब 9,900 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने का आरोप है। इनमें सबसे बड़ा कर्ज एसबीआई का है। माल्या मार्च 2016 में विदेश भाग गए था और फिलहाल ब्रिटेन में रह रहे हैं। आईपीएल के 18वें सीजन में आरसीबी की जीत पर माल्या ने एक्स पर ट्वीट किया, 'आरसीबी आखिरकार 18 साल बाद आईपीएल की चैंपियन बन ही गई। 2025 में पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। संतुलित दिख रही टीम ने मजबूत कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के साथ दमदार प्रदर्शन किया। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ई साला कप नाम्डे।' उनके इस पोस्ट को 51 लाख यूजर्स ने देखा है और 5.6 हजार ने इस पर रिएक्ट किया है। इसमें एसबीआई का रिएक्शन सबसे खास है। जानेमाने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने माल्या के ट्वीट और उस पर एसबीआई के रिएक्शन को पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, इसलिए मुझे एक्स बहुत पसंद है। माल्या के ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए एसबीआई ने कहा, 'सर भारत आ जाइये, साथ मिलकर सेलिब्रेट करेंगे।' किंगफिशर एयरलाइन और यूनाइडेट ब्रुअरीज जैसी कंपनियों के मालिक रहे माल्या को भारत लाने के लिए सरकार लंबे समय से कोशिश कर रही है। माल्या की कंपनियों ने एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के कंसोर्टियम से 9,900 करोड़ रुपये का लोन लिया था और पेमेंट में डिफॉल्ट किया।

# चीन के एक फैसले से भारत समेत दुनियाभर में हाहाकार, कारोबार प्रभावित

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत का इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री संभावित सप्लाई चेन संकट का सामना कर रहा है। यह संकट एक जरूरी कंपोनेंट की कमी के चलते आया है। इसका नाम - रेयर अर्थ मैग्नेट है। दरअसल, रेयर अर्थ मैग्नेट इलेक्ट्रिक वाहन मोटरों में एक महत्वपूर्ण कंपोटेंट होते हैं। इसका इस्तेमाल गाड़ियों के कई जरूरी हिस्सों में लगते हैं, जैसे- इलेक्ट्रिक मोटर,पॉवर विंडो,स्पीकर और कई ऑटो पार्ट्स। इसके अलावा स्मार्टफोन और ईवी जैसी रोजमर्रा की तकनीकों में इसका इस्तेमाल होता है। भारत रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए चीन पर निर्भर है, अधिकतर मैग्नेट चीन से ही खरीदकर लाता है। लेकिन चीन ने रेयर मेटल्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे भारत की इलेक्ट्रिक वाहन महत्वाकांक्षा में बाधा आ गई है। बता दें कि चीन का यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब भारत सरकार इन वाहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और ई-मोबिलिटी को प्रोत्साहित करने के लिए बजट 2025 में प्रोत्साहन और आवंटन प्रदान करके देश में ईवी क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। दरअसल, इन कंपोनेंट का प्रोडक्शन काफी मुश्किल और महंगा है। साथ ही इससे पर्यावरण पर भी काफी लागत आती है।

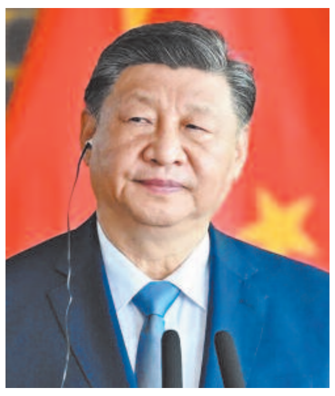

**चीन ने क्यों लगाए प्रतिबंध–** इस निर्णय को चीनी प्रौद्योगिकी खासकर सेमीकंडक्टर उद्योग पर अमेरिकी प्रतिबंधों की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीन का यह कदम महत्वपूर्ण माइनिंग इंडस्ट्रीज में देश के प्रभुत्व को भी रेखांकित करता है और इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ चल रहे ट्रेड वॉर में चीन द्वारा लाभ उठाने के रूप में देखा जा रहा है। चीन द्वारा रेयर अर्थ और संबंधित चुम्बकों की एक डिटेल चेन के निर्यात को निलंबित करने के निर्णय से दुनिया भर में वाहन निर्माताओं, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों और मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर की सप्लाई चेन बाधित हो गई है।

**भारत पर कितना असर–** भारत रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए आयात पर निर्भर है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में देश ने 306 करोड़ रुपये मूल्य के 870 टन चुम्बकों का आयात किया। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर रेयर अर्थ मैग्नेट में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है और प्रोडक्शन में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे निर्यात पर रोन ईवी उद्योग के लिए चिंता का विषय बन गया है। वाहन निर्माताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ सकता है, जिससे लागत में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इधर, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने सरकार के समक्ष चिंता जताई है और आगाह किया है कि मैग्नेट का कम स्टॉक उत्पादन में देरी का कारण बन सकता है। इसके जवाब में, भारत सरकार कथित तौर पर समाधान के लिए दबाव बनाने हेतु ऑटो उद्योग के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बीजिंग भेजने पर विचार कर रही है। एसआइएएम ने हाल ही में एक दस्तावेज में कहा, इसकी कमी के चलते जून की शुरुआत से ऑटो उद्योग का उत्पादन पूरी तरह से ठप हो जाने की उम्मीद है। यह दस्तावेज 19 मई को मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स के अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित एक बैठक में प्रस्तुत किया गया था। जबकि चीन ने वोक्सवैगन सहित कुछ चुंबक उत्पादकों से निर्यात को मंजूरी दे दी है। तीन ऑटो उद्योग के अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि उन्हें डर है कि चीन और नई दिल्ली के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण भारत को तुरंत मंजूरी मिलने की संभावना कम हो सकती है।

### काफी पेचीदा हो गया है प्रोसेस

चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के एक्सपोर्ट पर लगाई गई पाबंदियों के बाद अब कंपनियों को शिपमेंट के लिए चीन सरकार से इजाजत लेनी होगी। भारतीय कंपनियों को चीन से मैग्नेट मंगाने के लिए एंड-यूज सर्टिफिकेट देना होगा। इसमें यह बताना पड़ेगा कि यह चुम्बक सैन्य उद्देश्यों के लिए नहीं हैं। इसके बाद इन डॉक्युमेंट को नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा वेरिफिकेशन कराना पड़ेगा और कंपनियों के चीनी आपूर्तिकर्ताओं को भेजना पड़ेगा। इसके बाद चीन लाइसेंस जारी करता है। एसआइएएम दस्तावेज में कहा गया है कि भारत को आयातकों के आवेदनों को कुछ ही घंटों में अप्रूवल करना चाहिए और चीनी दूतावास और वाणिज्य मंत्रालय को उन्हें तत्काल आधार पर अनुमोदित करने के लिए दबाव डालना चाहिए।

### क्या कहते हैं आंकड़े

सीमा शुल्क डेटा से पता चलता है कि प्रतिबंधों के बाद अप्रैल में चीन के स्थायी चुंबकों का निर्यात पिछले साल की तुलना में 51 प्रतिशत गिरकर 2,626 टन रह गया। उद्योग के अनुमान के अनुसार, भारत के ऑटो सेक्टर ने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में 460 टन रेयर अर्थ चुंबक आयात किए, जिनमें से अधिकांश चीन से थे।

## यूपीआई ने वीजा और मास्टर कार्ड को पीछे छोड़ते हुए बनाया नया कीर्तिमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में यूपीआई ने वीजा और मास्टर कार्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान बनाया है। मई महीने में यूपीआई से 25.14 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो देश में सभी कार्ड को मिलाकर हुए लेनदेन से करीब 12 गुना अधिक है। मई 2025 में यूपीआई से रिकॉर्ड 18.68 अरब ट्रांजेक्शन हुए, जिनके जरिए 25.14 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। अप्रैल में यह आंकड़ा 23.94 लाख करोड़ रुपये था। रकम के लेनदेन में मासिक आधार पर पांच प्रतिशत और सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की बढ़त देखी गई।

**क्रडिट और डिबेट कार्ड पिछड़े–** वहीं, वीजा और मास्टर जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्ड नेटवर्क के माध्यम से क्रेडिट कार्ड के जरिए मार्च 2025 में 2.01 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो फरवरी 2025 के 1.67 लाख करोड़ से अधिक था। अप्रैल में इस आंकड़े में गिरावट आई और यह 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। हालांकि, मई के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हो पाए हैं। उधर, डेबिट कार्ड के माध्यम से मार्च 2025 में 0.39 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ, जो फरवरी 2025 के 0.34 लाख करोड़ से अधिक था।

**सबसे बड़ा पेमेंट प्लैटफार्म बनने की ओर यूपीआई–** वर्तमान में दैनिक लेनदेन संख्या के मामले में वीजा आगे है, लेकिन यूपीआई यहां भी जल्द आगे निकल सकता है। मई की शुरुआत में यूपीआई ने रोजाना लगभग 63 करोड़ लेनदेन दर्ज किए थे, जो जून में बढ़कर 65 करोड़ तक पहुंच गए हैं। इसकी तुलना में वीजा ने मार्च तिमाही में रोजाना औसतन 67.4 करोड़ लेनदेन दर्ज किए थे।

**सबसे तेज वृद्धि–** यूपीआई ने सिर्फ रकम लेनदेन के मामले में ही वीजा कार्ड को पीछे नहीं छोड़ा है, बल्कि इसकी वृद्ध भी इससे चार गुना ज्यादा रही है।

# अडानी ने इस साल इतना दिया टैक्स कि पूरी मुंबई में बन जाए मेट्रो नेटवर्क

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अडानी ग्रुप पिछले साल (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के मुकाबले इस साल (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) में कुल टैक्स पेमेंट में 29 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस साल ग्रुप ने अपनी कंपनियों के जरिए कुल 74,945 करोड़ रुपये का टैक्स सरकारी खजाने में जमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 58,104 करोड़ रुपये थी। यह जानकारी अडानी ग्रुप ने गुरुवार को दी। इस टैक्स में कंपनी के खुद के दिए गए टैक्स (डायरेक्ट टैक्स), ग्राहकों या दूसरों से वसूले गए टैक्स (इनडायरेक्ट टैक्स), और कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा में दिया गया योगदान भी शामिल है।

**पूरे मुंबई में मेट्रो नेटवर्क की लागत के बराबर टैक्स–** इस पैसे का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि 74,945 करोड़ रुपये लगभग पूरे मुंबई मेट्रो नेटवर्क को बनाने में लगने वाली लागत के बराबर है। यह रकम आधुनिक ओलंपिक खेलों के आयोजन में लगने वाले खर्च के लगभग बराबर भी है।

इस कुल रकम में से 28,720 करोड़ रुपये डायरेक्ट टैक्स, 45,407 करोड़ रुपये इनडायरेक्ट टैक्स, और 818 करोड़ रुपये दूसरे योगदान (जैसे कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा) के हैं।

**सबसे ज्यादा टैक्स किसने दिया–** अडानी ग्रुप की जिन मुख्य सूचीबद्ध कंपनियों (लिस्टेड कंपनियों) ने सबसे ज्यादा टैक्स दिया है, उनमें अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी सीमेंट लिमिटेड , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन , और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड शामिल हैं।

ग्रुप ने अपनी सात लिस्टेड कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है। इनमें एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज जैसी तीन और कंपनियों के टैक्स भी शामिल हैं, जिन पर ग्रुप की ये सात कंपनियां नियंत्रण रखती हैं।

### कंपनियों की वेबसाइट पर जारी हुई डिटेल

अडानी ग्रुप ने टैक्स भुगतान की पूरी जानकारी देने के लिए एक दस्तावेज (बेसिस ऑफ प्रिपरेशन एंड अप्रोच टू टैक्स) भी अपनी कंपनियों की वेबसाइट पर जारी किया है। इसमें बताया गया है कि दुनियाभर में उसकी कंपनियों ने कितना टैक्स दिया, दूसरों से वसूला हुआ टैक्स कितना सरकार को जमा कराया, और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा में कितना योगदान दिया।

अडानी ग्रुप ने कहा कि वह टैक्स में पारदर्शिता को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा मानता है। इस जानकारी को खुद से सार्वजनिक करके ग्रुप अपनी पारदर्शिता और भरोसेमंदी दिखाना चाहता है। ग्रुप का कहना है कि वह भारत के बुनियादी ढांचे को बदलने के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देना और अपने सभी हितधारकों के लिए लॉन्ग टर्म वैल्यू पैदा करना चाहता है।

# राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू की जाए, टैक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग की मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश का टेक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग पिछले कुछ सालों से कई परेशानियों से दो चार हो रहा है, जिसको लेकर हाल ही में कैट की टेक्सटाइल व गार्मेंट समिती ने केंद्र सरकार से देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की है। कारोबारियों ने अपनी परेशानियों को लेकर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरिजराज सिंह को पत्र लिखा है। इसमें कपड़ा उद्योग में बढ़ते संगठित धोखाधड़ी, फर्जी जीएसटी पहचान, साइबर अपराधा और भुगतान को लेकर बढ़ते घोटालों पर चिंता व्यक्त की गई है।

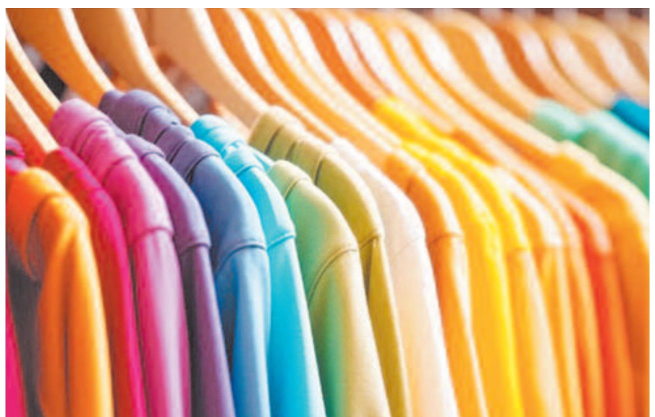

**छोटे और मंझोले कारोबारियों के हित में बने नीति–** कैट के टैक्सटाइल एवं गार्मेंट समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चम्पालाल बोथरा ने बताया कि भारत सरकार से हमने देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए विशेषकर छोटे और मंझोले कपड़ा कारोबार को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय कपड़ा व्यापार सुरक्षा नीति की मांग की है। हमने केंद्र सरकार से हर राज्य में टेक्सटाइल फ्रॉड प्रोटेक्शन सेल को बनाने, राष्ट्रीय टैक्सटाइल व्यापारी डेटाबेस का निर्माण करने, जिसमें व्यापारियों की जीएसटी से जुड़ी समस्या सुनी जाए और जीएसटी पोर्टल की निगरानी जिसमें गलत जीएसटी नंबर की पहचान की हो और उसे कैंसल भी किया जा सकें। साथ ही नकली भुगतान स्क्रीनशॉट और साइबर फ्रॉड से बचने के लिए साइबर सुरक्षा प्रणाली को व्यापार के संगठनों से जोड़ने का अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि व्यापारियों की पहचान के लिए सत्यापन प्रणाली लागू की जाने की आवश्यकता है, इससे कारोबार में होने वाले फ्रॉड लेनदेन पर रोक लगेगी। सरकार को व्यापार धोखाधड़ी बीमा मॉडल (ट्रेड फ्रॉड इंश्योरेंस) पर ध्यान देने की जरुरत है।

### कारोबार और रोजगार की सुरक्षा के लिए सरकार लागू करे नीति

भिवंडी पावरलूम के संघ अध्यक्ष सेजपाल बताते हैं कि सरकार को टैक्सटाइल और गार्मेंट उद्योग के लिए सुरक्षा नीति बनाने की जरूरत है, क्योंकि इससे लाखों लोगों का कारोबार और रोजगार जुड़ा हुआ है। भिवंडी पावरलूम की बात करें तो वर्तमान में लाखों इकाइयां बंद हो चुकी हैं और जो बची हुई हैं वो बंद होने की कगार पर हैं। दूसरा गार्मेंट कारोबारी अपने कारोबार को चलाने के लिए कई तरह की चुनौतियां का सामना कर रहे हैं, जिसमें पेमेंट को लेकर कई तरह की परेशानियां उनके सामने हैं। इसलिए सरकार को विशेषकर छोटे कपड़ा व्यापारियों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की जरुरत है।

### कपड़ा उत्पादक मंडियों में बड़े पैमानियों पर कारोबारियों से ठगी चिंता की बात

बोथरा कहते हैं सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद, दिल्ली और तिरुपुर, इंदौर, भिवंडी, मालेगांव, जबलपुर जैसे कपड़ा उत्पादक मंडियों में करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होती है। अकेले सूरत जैसे मार्केट में हाल के महीनों में सौ करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामाने आया है। मुंबई के कपड़ा व्यापार संगठन भारत मर्चेंट चैंबर के धर्मेश भट्ट का कहना है, कि पिछले कई सालों से टैक्सटाइल एवं गार्मेंट कारोबार परेशानियों से गुजर रहा है। जिसमें छोटे और मध्यम आकार के कारोबारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसकी बड़ी वजह कारोबार में बढ़ती धोखाधड़ी है। वे बताते हैं कि मुंबई से लेकर सूरत तक के कपड़ा बाजार में नकली कारोबारी बनकर, जिसमें उनके पास जीएसटी नंबर भी होता है, वे व्यापारी थोड़े पैसे देकर लाखों का माल ले जाते हैं। जिसकी वजह से लाखों रुपये का नुकसान कारोबारी के साथ उद्योग को हो रहा है।

# वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच होगी एफडीसी की बैठक, देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करेंगी वित्त मंत्री

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। यह समीक्षा 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक में होगी। सूत्रों के अनुसार यह उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक होगी, जो मुंबई में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक शामिल होंगे।

**6.5 प्रतिशत विकास दर और आरबीआई की लाभांश घोषणा के बाद होगी पहली बैठक–** वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत दर्ज होने के बाद यह पहली बैठक होगी। यह दर पिछले चार सालों में सबसे धीमी है। साथ ही, इस बैठक का आयोजन केंद्रीय बैंक की लाभांश भुगतान के बाद किया जा रहा है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा की। यह भुगतान वित्त वर्ष 2023-24 के 2.1 लाख करोड़ रुपये के लाभांश से 27.4 प्रतिशत अधिक था।

**डिजिटल धोखाधड़ी के रोकथाम पर भी होगी चर्चा –** एफएसडीसी की बैठक में वित्त मंत्री डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के तरीकों पर भी चर्चा कर सकती हैं। डिजिटल धोखाधड़ी वित्तीय प्रणाली के लिए एक चुनौती है। इसके अलावा, परिषद वित्तीय क्षेत्रों के विकास के उपायों, वित्तीय स्थिरता, समावेशी आर्थिक वृद्धि और एफएसडीसी उप-समिति की कार्रवाई की भी समीक्षा करेगी।

### वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में हुई मजबूत वृद्धि

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में अपेक्षा से अधिक तेज गति से बढ़ी। इससे 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद मिली और इसका आकार 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसने वित्त वर्ष 2026 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ने की उम्मीद बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसे निजी खपत में वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती से सहारा मिला।

# एनर्जी सेक्टर की कंपनी में बिकेंगे 4 लाख से ज्यादा शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्लीन एनर्जी कंपनी- वारी एनर्जी लिमिटेड की प्रमोटर इंडोसोलर लिमिटेड ने बड़ी हिस्सेदारी बेचने का ऐलान किया है। इंडोसोलर लिमिटेड 5 और 6 जून 2025 को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से 4,76,495 इक्विटी शेयर बेचेगी। यह इंडोसोलर की कुल चुकता इक्विटी पूंजी का 1.15 प्रतिशत है। इस कदम का मकसद न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करना है।

**क्या है डिटेल–** इंडोसोलर लिमिटेड ने फ्लोर प्राइस 10 प्रति शेयर निर्धारित किया है। खुदरा निवेशकों को कोई छूट नहीं दी जाएगी। गैर-खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस 5 जून (ट्रेडिंग डे) को खुलेगा। इसमें अगले दिन अनअलॉटेड बोलियों को आगे बढ़ाने का विकल्प होगा। खुदरा निवेशक, पात्र कैरी-फॉरवर्ड बोलीदाताओं के साथ, 6 जून (ट्रेडिंग+1 डे) को बोलियां लगा सकते हैं या संशोधित कर सकते हैं। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड को विक्रेता के ब्रोकर के रूप में नियुक्त किया गया है।

### कैसे रहे मार्च तिमाही के नतीजे

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की मार्च तिमाही में वारी एनर्जी का आमदनी बढ़ कर दोगुना हो गया। यह आमदनी 648.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि तिमाही के लिए आमदनी 37.69 प्रतिशत बढ़कर 4,140.92 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का नेट प्रॉफिट 107.08 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 1,932.15 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की आमदनी 27.62 प्रतिशत बढ़कर 14,846.06 करोड़ रुपये रही है।

### कंपनी का ऑर्डर बुक

मार्च, 2025 तक वारी के पास 25 गीगावाट से अधिक का ऑर्डर बुक है, जिसका मूल्य 47,000 करोड़ रुपये है। इसमें मांग मार्की यूटिलिटी-स्केल डेवलपर्स और वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) खंड से आ रही है। कंपनी का कुल उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में 7.13 गीगावाट रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 4.77 गीगावाट था। कंपनी के निदेशक मंडल ने मार्च, 2025 में अमेरिका के टेक्सास के ब्रुकशायर में फैसलिटीज में अतिरिक्त 1.6 गीगावाट मॉड्यूल विनिर्माण लाइन की स्थापना को मंजूरी दी।

# लखनऊ सुपर जायंट्स से जहीर खान की होगी छुट्टी?

## कोचिंग स्टाफ को लेकर फ्रेंचाइजी में असंतोष

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग 2025 को खत्म हुए 2 दिन भी नहीं हुआ है और फ्रेंचाइजी में बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है। अगले सीजन से पहले कई फ्रेंचाइजी स्टाफ और कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर सकती हैं और सबसे बड़ा बदलाव लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में हो सकता है। 14 मैचों में से सिर्फ छह जीत के साथ सातवें स्थान पर रहने से फ्रेंचाइजी प्रबंधन खुश नहीं है। जहीर खान की देखरेख में काम कर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के कोचिंग स्टाफ के कुछ प्रमुख सदस्यों के भविष्य को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहीर (46) खुद भी इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। जहीर को पिछले साल की नीलामी की शुरुआत से पहले मेंटर बना गया था, तो उन्हें सिर्फ एक साल के अनुबंध पर रखा गया था। उस कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू किया जाना है और सूत्रों का कहना है कि अगर वह बने रहते हैं तो यह आश्चर्य की बात होगी।

जहीर को मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ काम करने के लिए लाया गया था, जिनका कॉन्ट्रैक्ट भी रिन्यू होना है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों के बीच सीजन के दौरान कैसा समन्वय किया, लेकिन टीम और प्रबंधन के भीतर असंतोष की भावना दिखाई देती है। इस स्तर पर चर्चा से पता चलता है कि लैंगर की तुलना में जहीर पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

## प्रबंधन टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं

एलएसजी फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका क्रिकेट और आईपीएल के प्रति जुनूनी माने जाते हैं और पिछले दो सीजन से टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाई है। हालांकि, जहीर 2024 सीजन के लिए जवाबदेह नहीं हो सकते, लेकिन प्रबंधन इस सीजन में टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं है।

## जहीर-पंत का पेशेवर संबंध काफी अच्छा

कहा जाता है कि जहीर का कप्तान ऋषभ पंत के साथ पेशेवर संबंध काफी अच्छा है, लेकिन पंत ने बल्ले से निराश किया। पंत ने 14 मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक सहित 269 रन बनाए, लेकिन बाकी 12 मैचों में कोई खास योगदान नहीं दे पाए। हालांकि, कप्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए टीम के मेंटर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन यह जहीर ही थे, जिन्होंने टीम के विजन और दृष्टिकोण को आकार देने में मदद की। उन्होंने और पंत दोनों ने इस सीजन में निडर होकर क्रिकेट खेलने की बात कही थी। लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

# इंग्लैंड सीरीज में ना चुने जाने के बाद अक्षर पटेल ने किया संन्यास का ऐलान?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 के खत्म होने के साथ ही भारतीय क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. जिसके बाद क्रिकेट जगत में तहलका मच गया है. अक्षर पटेल को इस बार इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, जिसके चलते उनके फैंस और ज्यादा परेशान हो गए हैं. सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें अक्षर को यह कहते हुए सुना गया कि 'मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक था.' जिसके बाद फैंस के बीच चिंता की लहर दौड़ गई. हालांकि, अब इस खबर की सच्चाई सामने आ गई है, और यह वीडियो फर्जी साबित हुआ है. दरअसल, यह वीडियो एआई की मदद से बनाया गया है, जिसमें अक्षर की आवाज और तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया. अक्षर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है, और वह अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं.इस वीडियो में अक्षर पटेल रिटायरमेंट स्पीच देते नजर आ रहे हैं. अक्षर कहते नजर आ रहे हैं, 'यह बहुत महत्वपूर्ण ऐलान है. मेरे लिए यह ऐलान करना आसान नहीं है. क्रिकेट ने मुझे सबकुछ दिया. मेरी पहचान, आपका प्यार, लेकिन हर सफर का अंत होता है. शायद मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं खत्म हो गया.'

# जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की।जोकोविच के अलावा, वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 101वीं जीत 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है।इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

# इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच शुक्रवार से

**नॉर्थम्पटन, एजेंसी।** इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिए ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी। इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33.57 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिला है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है। गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा।

टेस्ट टीम के सदस्यों में से 6 ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा। तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करूण नायर ने पहले मैच में रन बनाए थे। ऐसी संभावना है कि रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाए। तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिए शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की। फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे। अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिए तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा। इंग्लैंड लायंस के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग और क्रिस वोक्स प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि पहले टेस्ट के लिए टीम में जगह बना सकें। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर का चोट के कारण भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध है। गुस एटकिंसन भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं।

### टीमें:

भारत एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करूण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रूतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंसः जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद,जोर्डन कॉक्स, रिकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, मैक्स होल्डन, बेन मैकिनी, एडी जैक, अजीत सिंह डेल, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

# शब्द नहीं हैं मेरे पास...

## बेंगलुरु भगदड़ पर विराट कोहली की पहली प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेटर विराट कोहली ने बेंगलुरु भगदड़ पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे पूरी तरह टूट चुके हैं और उनके पास कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर आरसीबी का एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है जिसमें इस हादसे पर दुख जताया गया है। आरसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए हमे बेंगलुरु में भीड़ की वजह से हुए हादसे की जो जानकारी मिली है, वो जान बहुत दुखी हैं। सभी की सुरक्षा ही हमारे के लिए सबसे जरूरी है। जिन भी लोगों ने इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपनी जान गंवाई है, हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। अपने बयान में आगे साफ कहा है कि जैसे ही स्थिति के बारे में पता चला हमने अपने कार्यक्रम में तब्दीली की और स्थानीय प्रशासन ने जैसे निर्देश दिए, उसके मुताबिक आगे बढ़े। हम अपने सभी समर्थकों से अपील करते हैं कि वे सुरक्षित रहें। अब इस प्रतिक्रिया से समझ आता है कि आरसीबी की टीम ने स्थानीय प्रशासन का सहयोग किया था, उन्हें जैसा कहा गया, उन्होंने वैसा ही किया।

अब जानकारी के लिए बता दें कि बेंगलुरु में मची भगदड़ का सबसे बड़ा कारण ओवरक्राउडिंग रहा है। इसके ऊपर क्योंकि पुलिस का जरूरी संदेश समय रहते आम लोगों तक नहीं पहुंचा, उस वजह से भी एक कम्युनिकेशन गैप बना और इतना बड़ा हादसा हो गया। असल में बुधवार को सुबह 11.56 पर ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि कोई विक्ट्री परेड नहीं होगी। अब जिस समय पुलिस ने यह जानकारी दी, कई लोग पहले ही भीड़ लगा चुके थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर तो लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए थे।

# रोनाल्डो का गोल, मेजबान जर्मनी को हराकर फाइनल में पुर्तगाल

**म्यूनिख, एजेंसी।** क्रिस्टियानो रोनाल्डो के निर्णायक गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ मेजबान टीम की पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। ओलावृष्टि के कारण 10 मिनट की देरी के बाद, जर्मनी ने जल्दी ही लय पकड़ ली। लियोन गोरेट्जका ने शुरुआत में डियोगो कोस्टा को परखा, जबकि डेब्यूटेंट निक वोल्टमेड ने एलेक्जेंडर पावलोविच के साथ मिलकर एक और मौका बनाया। हालांकि, पुर्तगाल ने जल्द ही लय पकड़ ली। पेड्रो नेटो की तेज रफ्तार ने बार-बार जर्मन डिफेंस को एक्सपोज किया और रोनाल्डो ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन को दो बार परखा। यह टेर स्टेगन की चोट से वापसी के बाद पहला मैच था। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ, जो कुछ मिनट पहले ही मैदान पर आए थे, उन्होंने शानदार सिंगल स्ट्राइक के साथ मैच का रुख पलटा। 63वें मिनट पुर्तगाल ने भी अपना खाता खोलते हुए मैच 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी को यहां से संभलने का मौका नहीं मिला। ब्रूनो फर्नांडीस और नूनो मेंडेस के बीच एक शानदार

वन-टू ने जर्मन बैकलाइन को तितर-बितर किया और मेंडेस के लो क्रॉस को रोनाल्डो ने गोल में बदला। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ खेलेगा, जबकि पुर्तगाल फाइनल खेलेगा। मैच गंवाने के बाद जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने कहा, यह निश्चित रूप से हाल के दिनों में हमारा सबसे कमजोर प्रदर्शन था। हमने हमेशा पूरे दृढ़ विश्वास के साथ अटैक नहीं किया। पुर्तगाल जैसी टीम के खिलाफ अगर आप बदलाव में बहुत धीमे हैं, तो आपको दंडित किया जाएगा। अगर हम यूरोप में सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल होना चाहते हैं, तो शत प्रतिशत देना चाहिए। यह हार दुखद है, लेकिन हमें इससे सीखना चाहिए।

पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह टॉप क्वालिटी वाली जर्मनी की टीम के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मैच था। 25 सालों में पहली बार जर्मनी को हराना बहुत मायने रखता है। 1-0 की कमी को 2-1 की जीत में बदलना दिखाता है कि यह टीम क्या करने में सक्षम हैं।

# पृथ्वी शॉ का फ्लॉप शो, ना चला बल्ला और कप्तानी में भी नहीं कर पाए कोई कमाल; सूर्यकुमार यादव की टीम भी हारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टी20 मुंबई लीग 2025 की शुरुआत हो चुकी है और 4 जून को खेले गए तीसरे मैच में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई को ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने 5 विकेट से हरा दिया। हालांकि इस मैच में सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी जरूर खेली, लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। वहीं दूसरी तरफ इस लीग से चौथे मैच में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स को नमो बांद्रा ब्लास्टर्स ने 40 रन से हरा दिया। इस लीग में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स की कप्तानी पृथ्वी शॉ कर रहे हैं। पृथ्वी की कप्तानी भी इस मैच में नहीं चली जबकि उनके बल्ले ने भी उन्हें धोखा दे दिया और वो बड़ा स्कोर करने से चूक गए।

**सूर्यकुमार की ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई को मिली हार**

इस लीग के तीसरे मैच में ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने टॉस जीता था और फिर ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई ने पहले बैटिंग की। इस टीम के ओपनर जगर राणा ने 42 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए। इन दोनों की पारी के दम पर ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए।

इसके जवाब में ईगल थाने स्ट्राइकर्स ने ओपनर वरुण लवंडे की 38 गेंदों पर 57 रन जबकि साई राज पाटिल की 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की पारी के दम पर 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन बना लिए और मैच को 5 विकेट से जीत लिया। साई राज पाटिल को उनकी तेज पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पृथ्वी शॉ की टीम नॉर्थ मुंबई पैंथर्स 40 रन से हारी टी20 मुंबई लीग 2025 के चौथे मैच में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स का सामना नमो बांद्रा ब्लास्टर्स के साथ हुई। इस मैच में नमो बांद्रा ब्लास्टर्स ने टॉस जीता और इसके बाद अपनी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाज धुमिल मटकर की 23 गेंदों पर 6 छक्के और एक चौके की मदद से खेली गई 52 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 171 रन बनाए। इसके जबाव में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स 19 ओवर में 131 रन पर ऑल आउट हो गई। कप्तान पृथ्वी शॉ सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए जबकि दिव्यांश सक्सेना ने 42 रन की पारी खेलकर अच्छा संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। टीम को खराब शुरुआत का भी खमियाजा भुगतना पड़ा। नमो बांद्रा ब्लास्टर्स के लिए कर्ष कोठारी ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए।

# अनन्या पांडे ने शाहरुख खान को बताया दूसरा पिता

**हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने बॉलीवुड के एक दिग्गज अभिनेता के बारे में बात की। साथ ही कहा कि वो अभी भी उनके करियर के बारे में चिंता करते हैं।**

अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड के किंग खान और उनके परिवार के काफी करीब हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान की तारीफ की और कहा कि वो बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं। साथ ही बताया कि अभिनेता अभी भी उनके करियर को लेकर सवाल करते हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

अभिनेत्री अनन्या पांडे को अक्सर अभिनेता शाहरुख खान के परिवार के एक बहुत ही करीबी सदस्य के रूप में देखा जाता है। साक्षात्कार के दौरान आगे बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, 'शाहरुख मेरे दूसरे पिता की तरह हैं। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त के पिता हैं, इसलिए हम सभी आईपीएल मैच देखने उनके साथ जाते थे। इंडस्ट्री में सिर्फ सुहाना (शाहरुख खान की बेटी) और शनाया (संजय कपूर की बेटी) ही मेरी सबसे करीबी दोस्त हैं और हम सब कुछ शेयर करते हैं।'

### शाहरुख खान रखते हैं ख्याल

एक्ट्रेस अनन्या पांडे एक इंटरव्यू में शामिल हुई, वहां उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा, 'वह हम सभी को हमारे खेल दिवस और ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं के लिए सिखाया करते थे। वह हमारे जिंदगी के सारे पहलुओं में शामिल रहे हैं। अभी भी वह जानना चाहते हैं कि हम क्या कर रहे हैं और वह बहुत हद तक हमारे जीवन में शामिल रहते हैं। साथ ही, जब वह आपसे बात करते हैं, तो उनमें यह गुण है कि वह आपको यह एहसास दिलाते हैं कि आप दुनिया के एक बहुत ही खास व्यक्ति हैं। मुझे लगता है उनके जैसा कोई नहीं है।'

# युवा एक बेहतर दुनिया गढ़ रहे हैं: संजना

**भारतीय** अभिनेत्री और समाजसेवी संजना सांघी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ अपने प्रभावशाली सहयोग के माध्यम से वैश्विक परिवर्तन की एक प्रमुख आवाज़ बनकर उभरी हैं। एक यूएनडीपी यूथ चैंपियन के रूप में, संजना अपने मंच का उपयोग युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए करती हैं। यूएनडीपी, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख एजेंसी है, 170 से अधिक देशों में काम करती है ताकि गरीबी को समाप्त किया जा सके, असमानता को कम किया जा सके और समुदायों को सशक्त बनाकर उन्हें सतत भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। यह संगठन देशों को नीतियां बनाने, नेतृत्व मजबूत करने और क्षमताओं का निर्माण करने में मदद करता है, ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल कर सकें।

संजना सांघी 2024 में यूएन मुख्यालय में यूएन महासभा को संबोधित करने वालीं सबसे युवा वक्ता बनीं। यह वही मंच है, जहाँ पहले प्रियंका चोपड़ा जोनास भी अपना संबोधन दे चुकी हैं। कॉलेज के दिनों से ही जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने के प्रयासों में सक्रिय रहीं संजना, आज एक वैश्विक अभियान का चेहरा बन चुकी हैं। अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए संजना ने कहा, यह बेहद प्रेरणादायक है कि युवा सिर्फ बेहतर दुनिया का सपना नहीं देख रहे हैं, बल्कि उसे सच करने की पुरजोर कोशिश में भी लगे हुए हैं। यूएनडीपी के साथ मेरा सहयोग इन आवाज़ों को आगे बढ़ाने और उनके समाधानों के लिए मंच तैयार करने का एक माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि यूएनडीपी के साथ काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है और यह एक सौभाग्य की बात है कि वह एक ऐसे वैश्विक मिशन का हिस्सा हैं जो जीवन को सीधे प्रभावित करता है और अगली पीढ़ी को एक सतत भविष्य का निर्माता बनने के लिए सशक्त करता है, चाहे वह वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रसार हो या फिर युवाओं के बीच डिजिटल साक्षरता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना। इस वर्ष संजना को यूएन मुख्यालय में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने युथ फॉर चेंज अभियान का नेतृत्व किया, जो कि युवाओं को न्यायसंगत और समान दुनिया के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाला यूएन का प्रमुख वैश्विक अभियान है। यह पहल युवाओं को परिवर्तन के सक्रिय प्रतिनिधि के रूप में सामने लाने का प्रयास करती है और उन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों से जुड़ने तथा अभिनव समाधान देने के लिए प्रेरित करती है।

अंततः संजना 2025 की युथ को-लैब का समापन समारोह शुरू करेंगी, जो इस अभियान का तीसरा सफल वर्ष होगा। नीति आयोग के सहयोग से चलने वाली यह पहल प्रभाव-आधारित स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण इनक्यूबेटर का कार्य करती है। इसमें संजना की भागीदारी युवा सामाजिक उद्यमियों को सम्मानित करने और अगली पीढ़ी को सामाजिक भलाई के उद्देश्य से व्यापार निर्माण की प्रेरणा देने का कार्य करेगी। अपने सामाजिक कार्यों के अलावा संजना को न्यूयॉर्क सिटी से गहरा लगाव है। वे अक्सर बिग एप्पल लौटने की अपनी खुशी साझा करती हैं। सेंट्रल पार्क की सैर, टाइम्स स्क्वायर की गलियों में घूमना और मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट में प्रेरणादायक प्रदर्शनियों को देखना उनके प्रिय अनुभवों में शामिल हैं। संजना के लिए न्यूयॉर्क केवल वैश्विक सम्मेलनों का स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा शहर है, जो हर बार उनके जज़्बे को नया आयाम देता है।

## कुश जोतवानी अनुराग बसु की मेट्रो... इन दिनों में निभाएंगे अहम भूमिका

हाल ही में अपनी वेब सीरीज नॉक नॉक... कौन है? से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता कुश जोतवानी अब जाने-माने निर्देशक अनुराग बसु की बहुप्रतीक्षित फिल्म मेट्रो... इन दिनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली है, जो मेट्रो शहरों में समकालीन रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाएगी। कुश जोतवानी ने बताया कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। जब मैं मुंबई में दिल दोस्ती डिलेमा की शूटिंग कर रहा था, तो मुझे अनुराग बसु के प्रोडक्शन हाउस से जूम कॉल के लिए सूचना मिली। मीटिंग में बसु सर ने मुझे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए कहा। जोतवानी ने इस बातचीत को बसु के सीधे और कुशल दृष्टिकोण का प्रमाण बताया। सर ने मुझे कहानी का प्लॉट समझाया और ऑडिशन देने को कहा।

उन्होंने आगे कहा कि दिल दोस्ती डिलेमा के दूसरे शेड्यूल के दौरान उन्हें ऑडिशन स्क्रिप्ट मिली। उन्होंने अपने होटल के कमरे से ही ऑडिशन रिकॉर्ड करके तुरंत भेजा। डीडीडी के आखिरी दिन, बेंगलुरु से उड़ान भरते समय उन्हें फोन आया कि उन्हें रोल मिल गया है, और शूटिंग अगले चार दिनों में शुरू होने वाली थी। दिल दोस्ती डिलेमा में अपनी आकर्षक उपस्थिति से लेकर अनुराग बसु जैसे दूरदर्शी निर्देशक के साथ एक मल्टीस्टारर फिल्म में अहम भूमिका तक का कुश जोतवानी का यह सफर उनके करियर में एक रोमांचक नया चरण दर्शाता है। प्रशंसक मेट्रो... इन दिनों में उनके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यह देखने के लिए कि वह बसु की अनूठी शैली में आधुनिक प्रेम की जटिलताओं को कैसे जीवंत करते हैं।

## सिमर कौर ने लाल परी को लेकर खोले राज, बताया- दो अलग सुरों में गाया गाना

जानी-मानी सिंगर सिमर कौर ने फिल्म हाउसफुल 5 के गाने लाल परी पर अपने अनुभव साझा किए। सिमर ने बताया कि उन्होंने गाने को खास बनाने के लिए दो अलग-अलग सुरों में गाया, ताकि यह गाना लोगों के दिलों में आसानी से बस जाए। इसके अलावा, उन्होंने हनी सिंह की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उनका म्यूजिक उन्हें बहुत प्रेरित करता है। सिमर कौर ने बताया कि जब उन्होंने लाल परी गाना रिकॉर्ड किया, तो हनी सिंह और लिरिसिस्ट अल्फाज ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। साथ ही गाने में जोश को बनाए रखा। रिकॉर्डिंग के बारे में बात करते हुए सिमर ने कहा, जो भी लाल परी सुनेगा, वो खुद-ब-खुद उस गाने की धुन में झूमने लगेगा। हमें पहले से ही पता था कि यह गाना बड़ा हिट साबित होगा। रिलीज के समय मैं बहुत उत्साहित थी। उन्होंने आगे कहा, हनी सिंह और अल्फाज दोनों के साथ काम करना एक खास अनुभव रहा। दोनों को मैं बहुत समय से जानती हूं, और उनके साथ रिकॉर्डिंग करना काफी मजेदार पल होता है। उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। जब भी मैं कोई भी गाना रिकॉर्ड करती हूं, तो पूरी कोशिश करती हूं कि मैं उस गाने के मूड के अनुसार खुद को ढाल लूं। सिंगर ने आगे कहा, मैंने लाल परी गाने को पूरे दिल से गाया है। इसमें अल्फाज और हनी सिंह दोनों ने मेरी खूब मदद की है। मेरे लिए यह पूरा अनुभव मजेदार और यादगार रहा। सिमर कौर ने बताया कि उन्होंने गाने में एक खास म्यूजिकल स्टाइल डाला है, जिससे वह और भी खास बन गया। उन्होंने कहा, लाल परी को मैंने दो अलग-अलग सुरों में गाया है। दोनों सुरों का अपना एक अलग एहसास है। खासकर जो लो पिच वाला सुर है, वो एक अलग ही छाप छोड़ता है। लाल परी गाना एक हाई-एनर्जी पार्टी एंथम है, इसे यो यो हनी सिंह और सिमर कौर ने गाया है। गाने के बोल हनी सिंह और अल्फाज ने लिखे हैं, और म्यूजिक भी हनी सिंह ने ही दिया है। हाउसफुल 5 की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर लीड रोल में नजर आएंगे।

# गुरु दत्त की बायोपिक में नजर आ सकते हैं विक्की कौशल

**दिवंगत** एक्टर और निर्माता-निर्देशक गुरु दत्त की जिंदगी को बड़े परदे पर लाने की चर्चा काफी समय से हो रही है। अब अल्ट्रा मीडिया के सीईओ और निदेशक रजत अग्रवाल ने गुरु दत्त की बायोपिक पर मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया कि उनकी बायोपिक पर चर्चा शुरू हो चुकी है। रजत ने कहा... मैं गुरु दत्त की बायोपिक बना रहा हूं। हालांकि, बायोपिक बनाना इतना आसान नहीं होता है, क्योंकि किसी भी इंसान की महानता और उपलब्धियों को दिखाने के लिए मेहनत करनी होती है। जब रजत से पूछा गया कि वे किस एक्टर को गुरु दत्त के किरदार में देखना चाहते हैं तो उन्होंने विकी कौशल का नाम लिया। उन्होंने बताया की गुरु दत्त के किरदार को विक्की अच्छी तरह निभा सकते हैं। गौरतलब है कि गुरु दत्त ने साल 1951 में रिलीज हुई फिल्म बाजी से निर्देशक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की।

# क्रिमिनल जस्टिस के सेट पर खुशनुमा माहौल बनाए रखते हैं पंकज त्रिपाठी : श्वेता बसु प्रसाद

**एक्ट्रेस** श्वेता बसु प्रसाद ने वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में काम करने के अपने अनुभव को आईएएनएस के साथ साझा किया। उन्होंने अभिनेता पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पंकज त्रिपाठी दूसरे कलाकारों को आरामदायक महसूस कराने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि पिछले सीजन के मुकाबले उनके लिए यह नया सीजन बहुत आसान रहा। बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरा क्रिमिनल जस्टिस का दूसरा सीजन है। मैं इसमें पंकज त्रिपाठी और डायरेक्टर रोहन सर दोनों के साथ काम कर रही हूं। पिछले सीजन में मैं थोड़ी नर्वस थी। लेकिन, अब मैं पूरे जोश में हूं। मैं पंकज सर के काम और उनकी सोच की काफी प्रशंसा करती हूं। वह बहुत अच्छे कलाकार हैं और अपने व्यवहार से सेट पर खुशनुमा माहौल बनाए रखते हैं। श्वेता ने कहा, जब आप सेट पर होते हो, अपना कॉस्ट्यूम पहने होते हो और अपने किरदार में पूरी तरह ढले होते हो, तो एक कलाकार होने के नाते मेरे सामने तब पंकज सर सिर्फ माधव मिश्रा होते हैं और मैं लेखा अगस्त्य। मेरे अंदर जो नर्वस वाली फिलिंग्स होती हैं, वह एक्साइटमेंट में बदल जाती हैं। मुझे पंकज सर और

रोहन सर का भी पूरा समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा, सीरीज में काम करना मेरे लिए अच्छा अनुभव रहा। मैंने काफी कुछ सीखा है। पिछले सीजन के मुकाबले मैंने इस सीजन ज्यादा आरामदायक महसूस किया।

क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीबीसी स्टूडियोज इंडिया ने मिलकर बनाया है, और इसे रोहन सिप्पी ने निर्देशित किया है। स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें पंकज त्रिपाठी के साथ मोहम्मद जीशान आयूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खूशबू आत्रे और मीता वशिष्ठ अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। क्रिमिनल जस्टिस की अब तक की कहानी में गर्लफ्रेंड रोशनी के मर्डर के आरोप में डॉक्टर राज नागपाल को गिरफ्तार किया जाता है। डॉक्टर नागपाल की पत्नी सुरवीन चावला इस केस को लेकर पंकज त्रिपाठी के पास जाती हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे ही केस में नए ट्विस्ट सामने आते रहते हैं। डॉक्टर नागपाल के अलावा एक और शख्स को गिरफ्तार किया जाता है।

# ईशा गुप्ता धमाल 4 की हीरोइन बनीं

**बॉलीवुड** की ग्लैमरस अभिनेत्री ईशा गुप्ता अब कॉमेडी फिल्म फ्रैंचाइजी धमाल 4 में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। निर्देशक इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस बहुचर्चित फिल्म में ईशा गुप्ता अभिनेता अजय देवगन के अपोज़िट एक अहम किरदार में नज़र आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है। ईशा गुप्ता अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेज़ेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने धमाल 3 में भी अपने स्टाइल और तेवरों भरे किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। अब धमाल 4 में उनकी वापसी एक फुल-सर्कल मोमेंट की तरह है, और इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड तथा कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा। निर्देशक इंद्र कुमार ने ईशा के साथ एक बार फिर काम करने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा धमाल 4 में हमारे साथ हैं। वह धमाल 3 का भी हिस्सा रही थीं। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है। यह बयान ईशा के पेशेवर कौशल और व्यक्तिगत गुणों दोनों की सराहना करता है। हालांकि फिल्म में ईशा के किरदार की ज्यादा जानकारी अभी गोपनीय रखी गई है, लेकिन यह तय है कि वह सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि कहानी की दिशा और हास्य में भी बड़ी भूमिका निभाने वाली हैं। उनका किरदार कहानी में बड़े मोड़ और जबरदस्त कॉमिक मोमेंट्स लेकर आएगा। हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ ब्राउन आइज़ वाली और इश्क मेरा जैसे म्यूज़िक वीडियोज़ में भी धमाल मचाया है, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ धमाल 4 में एक नई ताजगी लेकर आएंगी। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि फिल्म में उन्हें अजय देवगन और ईशा गुप्ता के

# रवि दुबे और सरगुन मेहता ने की अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा

एक्टर-प्रोड्यूसर रवि दुबे और उनकी पत्नी व अभिनेत्री सरगुन मेहता ने अपने प्रोडक्शन हाउस ड्रीमियाता ड्रामा के नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। साथ ही दोनों ने अपने नए वर्टिकल 'ड्रीमियाता ड्रामा डिस्कवरी' की भी घोषणा की है।

इसके तहत उनका पहला प्रोजेक्ट एक फिल्म है, जिसमें दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

### रवि दुबे ने इंस्टाग्राम पर शेयर की पोस्ट

रवि दुबे ने अपने इस नए प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। जिसमें संजय मिश्रा नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए रवि दुबे ने लिखा, 'ड्रीमियाता ड्रामा के एक नए वर्टिकल 'ड्रीमियाता ड्रामा डिस्कवरी' की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जहां हम अपने प्लेटफॉर्म पर सिंडिकेटेड कंटेंट दिखाएंगे। स्लेट से पहला है 'चंपा लीला', जिसमें दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

### यूट्यूब पर आएगी 'चंपा लीला'

रवि और सरगुन का यह नया प्रोजेक्ट उनके ड्रीमियाता ड्रामा के यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। हालांकि, प्रोजेक्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन प्रोजेक्ट के नाम 'चंपा लीला' होने से और इसमें संजय मिश्रा के होने से इसको लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है।

## कई टीवी सीरियल और शो प्रोड्यूस कर चुके हैं रवि-सरगुन

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रवि दुबे और सरगुन मेहता एक्टर होने के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। दोनों ने कई म्यूजिक वीडियो, टीवी सीरियल और वेब शो प्रोड्यूस किए हैं। हाल ही में दोनों ने अपना एक नया शो 'तुझसे है आशिकी' की घोषणा की थी। जो 6 जून को शाम 5 बजे ड्रीमियाता ड्रामा पर प्रीमियर होगा। इसके अलावा दोनों ने उड़ारियां और मत्स्यकांड जैसे शो को भी प्रोड्यूस किया है।